आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11 । अंक 144 । मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, गुरुवार, 29 मई, 2025

मुख्यमंत्री ने सारणी में 464 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमि-पूजन

मध्यप्रदेश सरकार महिला सशक्तिकरण के लिये प्रतिबद्ध : सीएम डॉ. यादव

स्टार्ट-अप अभियान में महिला स्व-सहायता समूहों की कंपनियों में 8 करोड़ से अधिक के इंट्रेस्ट टू इन्वेस्ट लेटर सौंपे

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश के साथ पूरा देश लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती मना रहा है और हमारी सरकार महिला स्वावलंबन तथा सशक्तिकरण की दिशा में लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को बैतूल जिले के सारणी में स्व-सहायता समूह सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यहां 464 करोड़ रूपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया तथा बैतूल के विकास पर केंद्रित पुस्तिका 'विकास के पथ पर अग्रसर' का विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व-सहायता समूह से स्टार्ट-अप अभियान के तहत 4 स्व-सहायता समूह की महिलाओं को स्टार्ट-अप कंपनियों में 8 करोड़ 10 लाख रूपये के इंट्रेस्ट टू इन्वेस्ट पत्र वितरित किये।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मठार देव बाबा और मां ताप्ती के जयघोष करते हुए कहा कि बैतूल जिले के सारणी की महिमा न्यारी हैं, सही मायनों में धरती की शोभा सारणी में विद्यमान है। सारणी ने पूरे प्रदेश को ऊर्जा से सराबोर करते हुए विकास के कारवां को आगे बढ़ाया जिससे मध्यप्रदेश जगमगाया। सारणी के कोल भंडार सोने की तरह है। बैतूल जिले को ईश्वर का भरपूर आशीर्वाद प्राप्त हुआ। कोयले के भंडार, मां ताप्ती का उद्गम ,उन्नत कृषि इत्यादि प्राकृतिक संपदाओं के साथ यह जनजातीय अंचल विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा हैं। प्रदेश के पहले फूड पार्क की स्थापना बैतूल जिले में ही की गई हैं, जो स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सेवाभावना का उदाहरण हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज 'मैं अपनी बहनों से मिलने बैतूल आया हूं'। उन्होंने कहा कि बहनों के जीवन में दुख की छाया कभी ना आए और उनकी हर मनोकामनाएं पूर्ण हो, इसके लिए मध्यप्रदेश सरकार संकल्पबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की गौरव गोंडवाना की महारानी दुर्गावती ने अपने शौर्य और पराक्रम से एक नहीं बल्कि 52 युद्ध में मुगल आक्रांताओं को परास्त किया। अपने अंतिम युद्ध में भी रानी दुर्गावती ने गुलामी स्वीकार न करते हुए स्वयं अपने खंजर से बलिदान देकर प्रदेश को गौरवान्वित किया। ऐसा मध्यप्रदेश की बहनों का स्वर्णिम इतिहास रहा है। इसी प्रकार वीरांगना झांसी की रानी ने भी अंग्रेजों को करारी परास्त देकर देश की स्वतंत्रता की नींव रखीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई का पूरा जीवन जनहित को समर्पित रहा। उन्होंने शासन का भी अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया। महेश्वर से शासन चलाते हुए दक्षिण भारत रामेश्वरम, हैदराबाद, बैंगलोर से कारीगर बुलाकर साड़ी बनाने की कलां बुनकरों के माध्यम से बहनों को सिखाई। साड़ियां बनाने के कारखाने स्थापित किए जिससे महेश्वरी साड़ियां आज पूरे विश्व में प्रसिद्ध हैं। बहनों को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़कर नारी सशक्तिकरण के अद्भुत काम रानी अहिल्याबाई द्वारा किए गए। बनारस, सोमनाथ, बद्रीनाथ और राज्य की सीमा के बाहर भी देवस्थान, घाट अन्न क्षेत्र और धर्मशालाएं बनवाने का काम किया, जिससे देव दर्शन के साथ देश की एकता और अखंडता भी बनी रहे।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि रानी अहिल्याबाई के आदर्शों को मध्यप्रदेश सरकार द्वारा ग्रहण करते हुए बहनों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे। प्रतिमाह लाड़ली बहनों के खाते में 1250 रुपए की राशि दी जा रही है। बहनों की आय एक साल में एक लाख से अधिक हो जाए, इसके लिए लखपति दीदी अभियान जारी है। लखपति दीदी अभियान में 350 से अधिक स्व सहायता समूह काम कर रहे हैं। मध्यप्रदेश सरकार के प्रयासों से लगाई गई सर्व-सुविधा युक्त रेडीमेड गारमेंट्स की फैक्टरी में बहनों को शासन की ओर से 5 हजार और फैक्ट्री से 8 हजार, इस प्रकार कुल 13 हजार रुपए की राशि प्रतिमाह प्राप्त हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार बहनों के कल्याण के साथ बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करा रही हैं। बच्चों को साइकिल वितरण और उत्कृष्ट प्रदर्शन पर स्कूटी वितरण किया जा रहा है। विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए एक लाख से लेकर एक करोड़ तक की राशि भी लगे, तो मध्यप्रदेश सरकार उपलब्ध कराएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आतंकवादियों द्वारा हमारी बहनों के सिंदूर उजाड़ने के दुस्साहस करने पर हमारी सेना ने पाकिस्तान में घर में घुसकर आतंकवादियों को मारने का काम किया हैं। हमारी सेना ने शौर्य और पराक्रम से पाकिस्तान के हवाई अड्डों को तहस-नहस किया है। अगर आतंकवादी ऐसी नापाक हरकत दोबारा करेंगे तो उन्हें घर में घुसकर मारेंगे यह प्रधानमंत्री श्री मोदी जी का संकल्प हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी बहनों को प्रधानमंत्री श्री मोदी के मुख्य आतिथ्य में भोपाल में 31 मई को होने जा रहे कार्यक्रम के लिए आमंत्रित भी किया।

आमला विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा आमला विधानसभा में तीन बैराजों और सड़कों, पुल की स्वीकृति दिए जाने पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व सहायता समूह द्वारा निर्मित उत्पादों का किया अवलोकनः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम, म.प्र. डे राज्य शहरी आजीविका मिशन, मप्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन सहित लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण, वन की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान भारत सरकार की स्फूर्ति योजना अंतर्गत सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग की सृजनशील लाड़ली बहनों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प उत्पादों की उन्होंने सराहना की।

ऑपरेशन शील्ड- जम्मू कशमीर और हरियाणा में कल मॉकड्रिल

सायरन बजेंगे, ब्लैक आउट होगा; राजस्थान, पंजाब और गुजरात में अभी टाला गया

एजेंसी ● नई दिल्ली

पाकिस्तान से सटे राज्यों में कल यानी गुरुवार की शाम मॉक ड्रिल होगी। इनमें जम्मू-कश्मीर, हरियाणा शामिल हैं। इसे ऑपरेशन शील्ड नाम दिया गया है। वहीं, पंजाब में 3 जून को ड्रिल होगी। पहले राजस्थान, गुजरात और चंडीगढ़ में भी होने वाली थी, लेकिन फिलहाल इसे टाल दिया गया है। अभी तक तारीख सामने नहीं आई है। इससे पहले 7 मई को देश के 244 जिलों में मॉक ड्रिल हुई थी। इसमें नागरिकों को हमले के दौरान खुद को बचाने की ट्रेनिंग दी गई। यह इसलिए किया गया ताकि युद्ध की स्थिति में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

देश में पिछली बार ऐसी मॉक ड्रिल 1971 में हुई थी। तब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध हुआ था। यह मॉक ड्रिल युद्ध के दौरान हुई थी।

दरअसल, 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद 7 मई को भारत ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) और पाक में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। सेना ने 100 आतंकियों को मार गिराया था। इसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। इसके बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बना हुआ है।

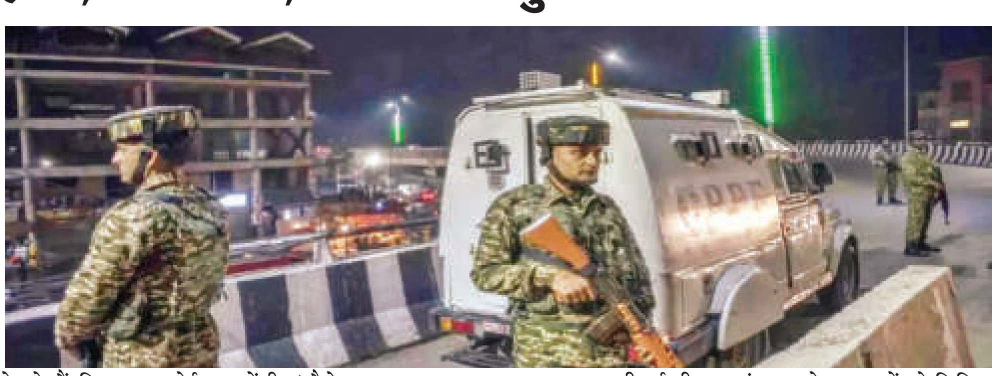

मॉक ड्रिल और ब्लैकआउट एक्सरसाइज क्या है...

मॉक ड्रिल यानी एक तरह की 'प्रैक्टिस' जिसमें हम यह देखते हैं कि अगर कोई इमरजेंसी (जैसे एयर स्ट्राइक या बम हमला) हो जाए, तो आम लोग और प्रशासन कैसे और कितनी जल्दी रिएक्ट करता है।

ब्लैकआउट एक्सरसाइज का मतलब है कि एक तय समय के लिए पूरे इलाके की लाइटें बंद कर देना। इसका मकसद यह दिखाना होता है कि अगर दुश्मन देश हमला करे, तो इलाके को अंधेरे में कैसे सुरक्षित रखा जा सकता है। इससे दुश्मन को निशाना साधने में मुश्किल होती है।

7 मई को देश के 244 शहरों में 12 मिनट ब्लैकआउट किया गया था देश के 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 244 शहरों में 7 मई को 12 मिनट की ब्लैकआउट एक्सरसाइज की गई थी। गृह मंत्रालय ने इन शहरों को सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट के तौर पर लिस्ट किया था। ये सामान्य प्रशासनिक जिलों से अलग थे। इसमें लोगों, कर्मचारियों, स्टूडेंट्स को आपात स्थिति में बचाव और लोगों को निकालने के तरीके समझाए गए थे। देश के कुल 259 सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट को इनके इंपोर्टेंस या सेंसिटिविटी के आधार पर 3 कैटेगरी में बांटा गया है। कैटेगरी 1 में वे डिस्ट्रिक्ट हैं जो सबसे ज्यादा सेंसिटिव हैं। ऐसे कुल 13 डिस्ट्रिक्ट हैं। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में नरौरा न्यूक्लियर प्लांट होने की वजह से इसे कैटेगरी 1 डिस्ट्रिक्ट में रखा गया है। इसी तरह कैटेगरी 2 में 201 जबकि कैटेगरी 3 में 45 डिस्ट्रिक्ट हैं।

पूर्व सेबी प्रमुख माधबी बुच को लोकपाल की क्लीन चिट

हिंडनबर्ग रिपोर्ट कार्रवाई का आधार नहीं, राजनीति से प्रेरित हैं शिकायतें

एजेंसी ● नई दिल्ली

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की पूर्व चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच को बड़ी राहत मिली है। दरअसल, लोकपाल ने माधबी पुरी बुच के खिलाफ कथित भ्रष्टाचार की शिकायतों का निपटारा करते हुए कहा कि किसी भी गलत काम का कोई सबूत नहीं है। इसके साथ ही लोकपाल ने बताया कि बुच के खिलाफ शिकायतें पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित थीं।

न्यायमूर्ति ए.एम. खानविलकर की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय पीठ ने अपने आदेश में कहा कि इन शिकायतों की विषय-वस्तु एक समान थी और इन शिकायतों के लिए मुख्य स्रोत सामग्री 10 अगस्त, 2024 को हिंडनबर्गरिसर्च द्वारा लिखित एक रिपोर्ट पर आधारित थी। मामले पर निर्णय लेते समय लोकपाल ने बुच के खिलाफ लगाए गए पांच मुख्य आरोपों की जांच की।

आरोप था कि बुच और उनके पति धवल बुच ने अडानी

समूह में निवेश से जुड़े एक फंड में बड़ी रकम निवेश की। आरोप के मुताबिक वहीं, M&M और ब्लैकस्टोन इंक जैसी संस्थाओं से परामर्श सेवा शुल्क की आड़ में लेन-देन किया गया। किराये की आय की आड़ में वॉकहार्ट से लेन-देन के भी आरोप लगे। इसके अलावा 2017 से 2024 के बीच पांच साल की अवधि में ICICI बैंक के ESOP बेचकर अनुचित लाभ लेने के भी आरोप थे। एम एंड एम और ब्लैकस्टोन इंक से संबंधित मामलों से अलग होने का दिखावा के भी आरोप लगे।

हालांकि, सेबी चीफ माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच ने आरोपों को खारिज किया था। बुच दंपति का कहना था कि कुछ भी नहीं छिपाया गया। आरोपों में कोई सच्चाई नहीं। वहीं, अडानी ग्रुप ने आरोपों को आधारहीन बताया था और इसे मुनाफा कमाने और बदनाम करने की साजिश करार दिया था।

विपक्ष ने भी लगाए थे आरोप हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद विपक्ष ने भी सेबी प्रमुख को पद से हटाने की मांग की थी। साथ ही इन आरोपों को लेकर सवाल उठाते हुए कई गंभीर आरोप लगाए थे और सरकार को भी कठघरे में खड़े करने की कोशिश की थी।

हाईकोर्ट से भी मिली थी राहत

बीते अप्रैल महीने में माधबी पुरी बुच को बंबई हाईकोर्ट ने भी राहत दी थी। कोर्ट ने शेयर बाजार में कथित धोखाधड़ी और विनियामक उल्लंघन के लिए प्राथमिकी दर्ज करने के विशेष अदालत के आदेश पर अंतरिम रोक की अवधि बढ़ा दी थी। इससे पहले हाईकोर्ट ने कहा था कि आदेश में आरोपी की कोई विशेष भूमिका नहीं बताई गई थी।

थरूर बोले- पाकिस्तान उस जमीन को पाना चाहता है जो उसकी है ही नहीं

एजेंसी ● नई दिल्ली

पनामा के दौरे पर पहुंचे कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि भारत अकेले शांति से जीना चाहता है, लेकिन पाकिस्तान ऐसा नहीं होने देता। उन्होंने साफ किया कि भारत युद्ध नहीं चाहता था, लेकिन आतंकवादियों को सजा दिए बिना नहीं छोड़ा जा सकता।

न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक थरूर ने कहा कि पाकिस्तान लगातार भारत के खिलाफ आतंकी हमलों को बढ़ावा दे रहा है। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर इसलिए शुरू किया क्योंकि पाकिस्तान ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के अपराधियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की थी। आतंकवाद के खिलाफ पनामा का भारत को समर्थन थरूर के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल पनामा की यात्रा पर पहुंचा है। इसमें भाजपा, कांग्रेस और दूसरे दलों के सांसद भी हैं। इस यात्रा का मकसद दुनिया को भारत की आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता और सख्त रवैये का संदेश देना है।

मंत्री विजय शाह की गिरफ्तारी पर 'सुप्रीम' रोक बढ़ी, हाईकोर्ट में नहीं होगी सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह को दी गई राहत बढ़ा दी है। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने हाईकोर्ट ने कार्यवाही बंद करने को कहा है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट खुद मामले पर सुनवाई कर रहा है। दरअसल, विजय शाह ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में मीडिया को जानकारी देने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ विवादित टिप्पणी की थी।

राष्ट्रपति शासन वाले मणिपुर में नई सरकार बनाने की तैयारी

गवर्नर के पास पहुंचे 10 विधायक, 8 BJP के; 44 MLA के समर्थन का दावा

एजेंसी ● इम्फाल

भाजपा विधायक थोकचोम राधेश्याम ने दावा किया कि 44 विधायक मणिपुर में सरकार बनाने के लिए तैयार हैं। मणिपुर में 10 विधायकों ने बुधवार को राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया है। इनमें 8 भाजपा, NPP और निर्दलीय के एक-एक विधायक हैं। इन्होंने दावा किया है इनके पास 44 विधायकों का समर्थन है।

राज्यपाल से मुलाकात के बाद भाजपा विधायक थोकचोम राधेश्याम ने कहा, 'कांग्रेस को छोड़कर 44 विधायक मणिपुर में सरकार बनाने के लिए तैयार हैं। नई सरकार के गठन का विरोध करने वाला कोई नहीं है। मणिपुर विधानसभा अध्यक्ष सत्यव्रत ने 44 विधायकों से मुलाकात की है।'

दूसरी तरफ, विधानसभा अध्यक्ष सत्यव्रत केंद्रीय नेतृत्व के बुलावे पर दिल्ली रवाना हो गए हैं। जल्द ही सरकार बनाने पर आलाकमान का फैसला आ सकता है। मणिपुर में 60 विधानसभा सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 31 है।

किसानों को मिलेगी अब फसलों की ज्यादा कीमत

धान समेत 14 फसलों की MSP में बढ़ोतरी

किसान क्रेडिट कार्ड पर कम ब्याज में मिलेगा लोन

एजेंसी ● नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने धान, कपास, सोयाबीन, अरहर समेत खरीफ की 14 फसलों की मिनिमम सपोर्ट प्राइस (MSP) बढ़ा दी है। केंद्रीय कैबिनेट ने आज यानी 28 मई को यह फैसला लिया। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि धान की नई MSP 2,369 रुपए तय की गई है, जो पिछली MSP से 69 रुपए ज्यादा है।

कपास की नई MSP 7,710 रुपए तय की गई है। इसकी एक दूसरी किस्म की नई MSP 8,110 रुपए कर दी गई है, जो पहले से 589 रुपए ज्यादा है। नई MSP से सरकार पर 2 लाख 7 हजार करोड़ रुपए का बोझ पड़ेगा। यह पिछले फसल सीजन की तुलना में 7 हजार करोड़ रुपए ज्यादा है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि MSP फसल की लागत से कम से कम 50% ज्यादा हो, इस बात का ध्यान रखा गया है।

क्या है MSP या मिनिमम सपोर्ट प्राइस मिनिमम सर्पोट प्राइस यानी न्यूनतम समर्थन मूल्य वो गारंटीड मूल्य है जो किसानों को उनकी फसल पर मिलता है। भले ही बाजार में उस फसल की कीमतें कम हो। इसके पीछे तर्क यह है कि बाजार में फसलों की कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव का असर किसानों पर न पड़े। उन्हें न्यूनतम कीमत मिलती रहे।

सरकार हर फसल सीजन से पहले CACP यानी कमीशन फॉर एग्रीकल्चर कॉस्ट एंड प्राइजेज की सिफारिश पर MSP तय करती है। यदि किसी फसल की बम्पर पैदावार हुई है तो उसकी बाजार में कीमतें कम होती हैं, तब MSP उनके लिए फिक्स एश्योर्ड प्राइस का काम करती है। यह एक तरह से कीमतें गिरने पर किसानों को बचाने वाली बीमा पॉलिसी की तरह काम करती है।

MSP में 23 फसलें शामिल हैं

7 प्रकार के अनाज (धान, गेहूं, मक्का, बाजरा, ज्वार, रागी और जौ)

5 प्रकार की दालें (चना, अरहर/तुअर, उड़द, मूंग और मसूर)

7 तिलहन (रेपसीड-सरसों, मूंगफली, सोयाबीन, सूरजमुखी, तिल, कुसुम, निगरसीड)

4 व्यावसायिक फसलें (कपास, गन्ना, खोपरा, कच्चा जूट)

खरीफ की फसलों में कौन-कौन सी फसलें आती हैं? धान (चावल), मक्का, ज्वार, बाजरा, मूंग, मूंगफली, गन्ना, सोयाबीन, उडद, तुअर, कुल्थी, जूट, सन, कपास आदि। खरीफ की फसलें जून जुलाई में बोई जाती हैं। सितंबर-अक्टूबर में इनकी कटाई होती है।

“कान्स अन सर्टेन रिगार्ड” सेक्शन में चुनी जाने वाली एकमात्र भारतीय फिल्म बनी होमबाउंड

मप्र में बनी फिल्म ‘होमबाउंड’ ने कान्स फिल्म फेस्टिवल में मचाई धूम

भोपाल और आस पास के क्षेत्रों में हुई है पूरी शूटिंग

संवाददाता ● भोपाल

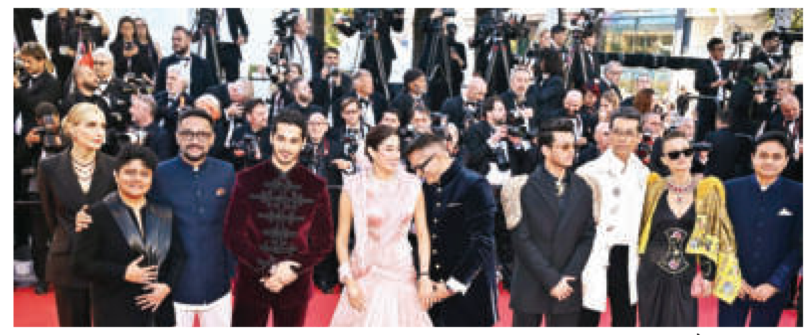

मध्य प्रदेश, एक बार फिर विश्व सिनेमा के पटल पर छाया हुआ है। 78वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में मध्य प्रदेश मं शूट हुई और श्री नीरज घेवान द्वारा निर्देशित फीचर फिल्म “होमबाउंड” को सराहना मिली है। फिल्म का “कान्स अन सर्टेन रिगार्ड” सेक्शन में प्रीमियर शो कान्स फिल्म फेस्टिवल के दौरान किया गया। यह एकमात्र भारतीय फिल्म है, जो इस प्रतिष्ठित सेक्शन में चुनी गई है। कान्स फिल्म फेस्टिवल में अंतर्राष्ट्रीय फिल्म निर्माताओं, निर्देशकों के साथ–साथ कलाकारों और दर्शकों द्वारा फिल्म की प्रशंसा करते हुए 9 मिनट तक खड़े होकर तालियां बजाते हुए सम्मान किया गया। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त, ऑस्कर विजेता, अमेरिकन फिल्म मेकर डायरेक्टर मार्टिन स्कॉर्सेस के इस फिल्म से जुड़ने से इसकी अंतर्राष्ट्रीय साख मजबूत हुई है।

निर्देशकों

यह उपलब्धि न केवल राज्य की सृजनात्मक संभावनाओं को दर्शाती है, बल्कि इसे वैश्विक फिल्म निर्माण के लिए एक पसंदीदा लोकेशन के रूप में स्थापित करती है। साल 2024 में फिल्म ‘होमबाउंड’ का बड़ा हिस्सा मध्य प्रदेश के भोपाल और आसपास के क्षेत्र में प्राकृतिक, सांस्कृतिक और शह री परिवेश में शूट किया गया है। फिल्म की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा राज्य की फिल्म अनुकूल नीतियों और फिल्म की कहानी के अनुसार उपयुक्त लोकेशनों की सफलता का प्रमाण है। उल्लेखनीय है कि होमबाउंड फिल्म धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी है। मध्य प्रदेश में शूट होने वाली यह उनकी पांचवीं फिल्म है। फिल्म के निर्माता करण जौहर हैं। निर्देशक नीरज घेवान हैं, इससे पहले उनके निर्देशन में बनी “मसान” फिल्म को भी दर्शकों ने खूब सराहा था। होमबाउंड में कलाकार ईशान खट्टर, विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर मुख्य भूमिका में हैं। कान्स फिल्म फेस्टिवल में सराहना मिलने पर पूरी टीम काफी खुश है। होमबाउंड टीम ने मध्य प्रदेश में सुगम शूटिंग अनुभव के लिए अपनी सराहना व्यक्त की। विभिन्न प्रकार के लोकेशनों की आसान उपलब्धता से लेकर स्थानीय समुदायों के सहयोग तक, फिल्म निर्माताओं ने प्रदेश को एक आदर्श शूटिंग डेस्टिनेशन के रूप में सराहा। कई सदस्यों ने भविष्य की परियोजनाओं के लिए यहां दोबारा लौटने की प्रबल इच्छा जताई है।

संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने इस उपलब्धि पर “होमबाउंड” की टीम को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश की प्राकृतिक विविधता, ऐतिहासिक विरासत और सिनेमा-फ्रेंडली वातावरण ने एक बार फिर स्वयं को सिद्ध किया है। होमबाउंड जैसी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित फिल्म का हमारे प्रदेश में शूट होना और फिल्म की टीम द्वारा अनुभव की गई सहजता, हमारे फिल्म नीति और स्थानीय समुदायों के सहयोग का प्रमाण है। हमें गर्व है कि मध्य प्रदेश अब वैश्विक फिल्मकारों की पसंद बनता जा रहा है। राज्य सरकार फिल्म इंडस्ट्री को हर संभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि अधिक से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स यहां आएं। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति तथा प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने फिल्म “होमबाउंड” के निर्माता–निर्देशकों और कलाकारों के साथ पूरी टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने कहा कि फिल्म निर्माताओं के लिए मनभावन शूटिंग स्थलों के साथ, शूटिंग फ्रेंडली स्थानीय नागरिक, फिल्म सहयोगी ईको सिस्टम, समृद्ध स्थानीय संस्कृति के साथ मध्यप्रदेश विशेष रूप से ईज ऑफ शूटिंग डेस्टिनेशन बन गया है। विशेष सहायता राशि और सिंगल विंडो फिल्म शूटिंग अनुमति प्रदान करते हुए हम स्थानीय टैलेंट को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं।

नई टूरिज्म पॉलिसी ने काम किया आसान

मध्य प्रदेश की नई फिल्म टूरिज्म पॉलिसी ने निर्माता-निर्देशकों का काम आसान किया है। सिंगल विंडो सिस्टम के जरिए अनुमति प्राप्त करने की प्रक्रिया आसान हुई है, वहीं सब्सिडी से निर्माता-निर्देशकों को प्रोत्साहन मिला है। मध्य प्रदेश की फिल्म टूरिज्म पॉलिसी के बाद प्रदेश में 350 से अधिक फिल्में और वेबसीरीज शूट हो चुकी हैं। अब तक 12 हिंदी फिल्मों, 1 तेलुगु फिल्म और 6 वेब सीरीज को 24 करोड़ रुपये से अधिक का वित्तीय अनुदान दिया जा चुका है। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश को 2022 में “मोस्ट फिल्म फ्रेंडली स्टेट” का अवॉर्ड भी मिल चुका है।

शॉट न्यूज

पत्नी को तीन तलाक देकर रिश्ता तोड़ा

इंदौर। महिला की शिकायत पर महिला थाना पुलिस ने पति और रिश्तेदारों के खिलाफ तीन तलाक के मामले में केस दर्ज किया है। पुलिस ने फरियादी हिना पठान 25 साल निवासी नर्मदा रोड राउ की रिपोर्ट पर पति भूरा पठान, मामा ससुर यूनुस पठान निवासी बड़नगर, मामी सास समा पठान के खिलाफ दहेज प्रताड़ना सहित अन्य धाराओं में किस दर्ज किया है। फरियादी हिना ने बताया कि दहेज की बात को लेकर आए दिन पति और मामा ससुर और मामी सास प्रताड़ित करते थे और पति ने तीन बार तलाक देकर रिश्ता तोड़ लिया। इसी प्रकार फरियादी मेघा श्रीवास्तव 30 साल निवासी अन्नपूर्णा की रिपोर्ट पर पति अजय श्रीवास्तव सास इंद्रा श्रीवास्तव ससुर बाबूलाल श्रीवास्तव आदि के खिलाफ केस दर्ज किया है।

बिना परमिट चल रही एक ट्रैवलर जब्त

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशन में क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इंदौर द्वारा लोक परिवहन वाहनों, बसों, स्कूल वाहनों सहित अन्य वाहनों की लगातार चेकिंग की जा रही है। पिपल्याहाना चौराहे पर इंदौर-खंडवा, इंदौर-देवास रूट की बसों की सघन चेकिंग की गई, जिसमें वाहनो के फ़िटनेस, परमिट, बीमा, पीयूसी, कर प्रमाण पत्र आदि चेक किये गए। बसों में ओवरलोडिंग, अधिक किराया की भी जांच की गई। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि इस दौरान 40 से अधिक बसों की जांच की गई। दस्तावेज नहीं होने, क्षमता से अधिक सवारी पाए जाने, परमिट शर्तों का उल्लंघन करने वाली बसों के साथ ही लोक परिवहन वाहनो में विभिन्न कमियां पाए जाने पर 16 से अधिक वाहनों पर जुर्माना लगाया गया। इस दौरान वाहनों से 51 हजार रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला गया। साथ ही एक ट्रैवलर वाहन को बिना परमिट संचालित होने पर जब्त किया गया।

मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स ने विश्व-प्रसिद्ध ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. के.सी. मेहता के साथ

सहभागिता कर अपने ऑर्थोपेडिक नेतृत्व को मजबूत किया

संवाददाता ● अहमदाबाद

मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स की फ्लैगशिप यूनिट मैरिंगो सिम्स हॉस्पिटल, अहमदाबाद में दुनिया के सबसे अनुभवी एवं प्रसिद्ध नी रिप्लेसमेन्ट सर्जनों में से एक डॉ. के. सी. मेहता का अपनी प्रतिष्ठित मेडिकल टीम में स्वागत करते हुए हमें गर्व हो रहा है। यह रणनीतिक कदम ऑर्थोपेडिक उत्कृष्टता में एक नए युग का प्रतीक है, जो मरीज को सर्वोपरि, वैश्विक रूप से बेंचमार्क स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स के दृष्टिकोण के साथ अभूतपूर्व इनोवेशन को जोड़ता है। डॉ. मेहता को अपने द्वारा घुटने के जोड़ को डिजाइन करने और यू.एस.ए., यू.के., ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, सिंगापुर, चीन, भारत, इंडोनेशिया और मलेशिया सहित कई देशों में दस ग्लोबल पेटेंट हासिल करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित किया गया है। जॉइंट रिप्लेसमेन्ट इंडस्ट्री में एक प्रमुख मल्टीनेशनल कंपनी द्वारा किए गए विश्लेषण के अनुसार, डॉ. मेहता को क्रूसिएट-रिटेनिंग हाई-फ्लेक्स जॉइंट रिप्लेसमेन्ट सर्जरी में अग्रणी वैश्विक विशेषज्ञों में से एक माना जाता है - एक ऐसी तकनीक जो अधिक मोबिलिटी और तेजी से रिकवरी को सक्षम करने के लिए प्रसिद्ध है।

एक प्रमुख तकनीकी उपलब्धि में, डॉ. मेहता को हाल ही में भारत के पश्चिमी क्षेत्र में पीटर ब्रेहम, जर्मनी के एडवांस्ड BPK -S सिरेमिक घुटने (नी) को प्रत्यारोपित करने वाले पहले सर्जन के रूप में मान्यता दी गई थी। यह अगली पीढ़ी का सिरेमिक नी अपने असाधारण गुणों के लिए जाना जाता है - मिनिमल पॉलीवियर और संक्रमण के सामने बहेतर प्रतिरोध- जो इसे आर्थोपेडिक प्रत्यारोपण टेक्नॉलोजी मे सफल बनाता है । इसके साथ वह एशिया पेसिफिक क्षेत्र में एट्यून ऑल पॉली नी इम्प्लान्ट का उपयोग करने वाले प्रथम सर्जन बन गए हैं, जिससे भारत में आर्थोपेडिक प्रगति में अग्रणी डॉ. मेहता की भूमिका और भी मजबूत हो गई है। नैदानिक परिणामों में एक दुर्लभ बेंचमार्क स्थापित करते हुए, डॉ. मेहता ने मरीजों को बिना पोस्टऑपरेटिव फिजियोथेरेपी की आवश्यकता हुए हजारों सफल नी रिप्लेसमेन्ट सर्जरी की हैं । यह विशिष्ट दृष्टिकोण मरीज़ की असुविधा को काफी कम करता है, ठीक होने का समय कम करता है, और समग्र स्वास्थ्य देखभाल लागत को कम करता है। पिछले कुछ वर्षों में, उन्होंने यु.एस.ए., यु.के., जर्मनी, केनेडा, दक्षिण अफ्रीका, सिंगापुर, तुर्की, श्रीलंका और केन्या सहित 25 से अधिक देशों के मरीज़ों का इलाज किया है।

डॉ. मेहता के करियर में लिवरपूल के फेजकरले अस्पताल, काउंटेस ऑफ चेस्टर अस्पताल, क्वीन एलिजाबेथ अस्पताल और लंदन नी क्लिनिक जैसे कई प्रसिद्ध यूके संस्थानों में प्रतिष्ठित कार्यकाल शामिल हैं। भारत में, उन्होंने चंद्रा नी क्लिनिक में चीफ नी सर्जन और अहमदाबाद के अपोलो अस्पताल में नी प्रोग्राम डायरेक्टर के रूप में काम किया है।

सट्टे केस में फरार दो आरोपी गिरफ्तार, नकदी बरामद

क्राइम ब्रांच की टीम ने की कार्रवाई

इंदौर। ऑनलाइन वेबसाइट के माध्यम से सट्टा संचालित करने वाली गैंग के फरार दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूर्व में आठ आरोपियों को पकड़ा था। क्राइम ब्रांच के अतिरिक्त उपयुक्त राजेश दंडोतिया ने बताया कि 4 मार्च को सयोगितागंज थाना क्षेत्र में ऑनलाइन सट्टे का कारोबार पड़ा था इस मामले में आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर 29 मोबाइल फोन दो लैपटॉप और अन्य सामग्री जब्त की थी। इस मामले में आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि फर्जी बैंक अकाउंट्स एवं सिम कार्ड का दुरुपयोग कर करते थे ट्रांजैक्शन। इस मामले में क्राइम ब्रांच ने फरार दो आरोपियों को गिरफ्तार कर इनके पास से 6.50 लाख रुपए और एक कार बरामद की है।

48,520 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन

प्रधानमंत्री 29 और 30 मई को सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे

संवाददाता ● भोपाल

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 29 और 30 मई को सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री 29 मई को सिक्किम का दौरा करेंगे जहां वे सुबह करीब 11 बजे ‘सिक्किम@50: जहां प्रगति उद्देश्य से मिलती है और प्रकृति विकास को बढ़ावा देती है’ कार्यक्रम में भाग लेंगे। वे सिक्किम में कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन भी करेंगे और इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री पश्चिम बंगाल का दौरा करेंगे जहां वे अलीपुरद्वार में दोपहर करीब 2:15 बजे अलीपुरद्वार और कूचबिहार जिलों में सिटी गैस वितरण परियोजना की आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री बिहार का भी दौरा करेंगे और शाम लगभग 5:45 बजे पटना हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन करेंगे। बिहार के काराकाट में 30 मई को सुबह करीब 11 बजे प्रधानमंत्री 48,520 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। वह एक सार्वजनिक समारोह को भी संबोधित करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे जहां वे दोपहर करीब 2:45 बजे कानपुर नगर में करीब 20,900 करोड़ रुपए की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। वे एक सार्वजनिक समारोह को भी संबोधित करेंगे।

उद्घाटन

सिक्किम में प्रधानमंत्री

राज्य के गौरवशाली 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री ‘सिक्किम 50: जहां प्रगति उद्देश्य से मिलती है और प्रकृति विकास को बढ़ावा देती है’ कार्यक्रम में भाग लेंगे। राज्य सरकार ने सिक्किम की सांस्कृतिक समृद्धि, परंपरा और प्राकृतिक वैभव का उत्सव मनाने के लिए "सुनौलो, समृद्ध एवं समर्थ सिक्किम" थीम के अंतर्गत साल भर चलने वाले कई कार्यक्रमों की योजना बनाई है।

पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री

भारत में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नेटवर्क के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, प्रधानमंत्री पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार और कूच बिहार जिलों में सीजीडी परियोजना की आधारशिला रखेंगे। 1010 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली इस परियोजना का उद्देश्य 2.5 लाख से अधिक घरों, 100 से अधिक वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों और उद्योगों को पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) उपलब्ध कराना है।

बिहार में प्रधानमंत्री

29 अप्रैल को प्रधानमंत्री पटना एयरपोर्ट के नवनिर्मित यात्री टर्मिनल का उद्घाटन करेंगे। करीब 1200 करोड़ रुपए की लागत से बना यह नया टर्मिनल प्रति वर्ष 1 करोड़ यात्रियों को संभाल सकता है। प्रधानमंत्री 1410 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से बिहटा एयरपोर्ट के नए सिविल एन्क्लेव की आधारशिला भी रखेंगे। बिहटा, पटना के पास एक शैक्षणिक केंद्र के रुप में तेजी से उभर रहा है जिसमें आईआईटी पटना और प्रस्तावित एनआईटी पटना परिसर है। 30 मई को प्रधानमंत्री काराकाट में 48,520 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे।

बीएएसएफ ने धान के किसानों के लिए लांच किए कीट व फफूंद नाशक

संवाददाता ● हैदराबाद

भारत-बीएएसएफ भारत ने अपने दो नवीनतम वैश्विक फसल सुरक्षा समाधान वेलेक्सियोTM कीटनाशक तथा मिबेल्याTM फफूंदनाशक लॉन्च किए हैं, जो कि भारत की सबसे महत्त्वपूर्ण अनाज की फसल -धान के लिए उपयोग में लायी जाएंगी। इन दो आविष्कारों को पेश किए जाने से भारत के राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम को समर्थन मिलेगा। ये समाधान धान के किसानों को अपनी धान की पैदावार को शानदार तरीके से बढ़ाने में मदद करेंगे, क्योंकि ये धान के प्रमुख कीटों धान के भूरा माहु की रोकथाम करेंगे तथा आवरित झुलसा जैसी बीमारियों से धान की रक्षा करेंगे।

समर्थन

भारत 100 मिलियन मैट्रिक टन्स से अधिक सालाना उत्पादन के साथ, दुनिया में धान का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है, जो कि धान के विश्वव्यापी व्यापार में लगभग 40 प्रतिशत का योगदान देता है। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव ने भारत के धान के किसानों को बुरी तरह प्रभावित किया है, प्रतिकूल मौसम दशाओं का परिणाम बाढ़ों, बीमारियों और भूरा माहु की बड़ी आबादी के रूप में सामने आया है जिससे धान की पैदावार तथा क्वॉलिटी दोनों ही घटी है।

वेलेक्सियोTM बीएएसएफ का नवीनतम कीटनाशक है जो अपनी एक अलग-उल्लेखनीय पहचान , केवल एशिया पैसिफिक के धान के किसानों के बीच ही नहीं बना रहा है, बल्कि यह पूरे क्षेत्र में धान फसल तंत्र के प्रति अपनी एक दीर्घकालीन प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। बीएएसएफ एग्रीकल्चरल सॉल्यूशन्स के सीनियर वाइस प्रेसिडेन्ट, ग्लोबल स्ट्रेटेजिक मार्केटिंग एंड सस्टेनेबिलिटी, मार्को ग्रोज्डानोविक का कहना है, ‘‘हम भारत में सबसे पहले इसे लॉन्च कर पाने के साथ अत्यंत उत्साहित हैं, क्योंकि हम जानते हैं कि धान के किसानों को इस वक्त कीटों की रोकथाम में मदद के लिए एक नई केमिस्ट्री की बहुत जरूरत है,’’ अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए वे कहते हैं, ‘‘सक्रिय तत्व की मार्केट स्टैण्डर्ड्स के साथ काई क्रॉस-प्रतिरोधकता ज्ञात नहीं है तथा यह धान के भूरा माहु की चार प्रजातियों की जीवन की नुकसान पहुंचाने वाली सभी अवस्थाओं में बेहतरीन प्रभावशीलता था दीर्घकालीन अवशेषी रोकथाम दिलाता है।

ट्रांसस्टेडिया यूनिवर्सिटी अनुभवात्मक शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने के लिए तैयार

शैक्षणिक सत्र 2025 में एडमिशन के लिए आवेदन आमंत्रित

संवाददाता ● अहमदाबाद

नए आइडियाज़, इंडस्ट्री से जुड़ाव और प्रैक्टिकल पढ़ाई के मूल सिद्धांतों पर आधारित, ट्रांसस्टेडिया यूनिवर्सिटी (TSU) ने शैक्षणिक वर्ष 2025 के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। अनुभवात्मक शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ, जो छात्रों को एक सुरक्षित और संतोषजनक भविष्य की ओर ले जाती है, ट्रांसस्टेडिया यूनिवर्सिटी भविष्य के लीडर्स, क्रिएटर्स और थिंकर्स को तैयार कर रही है।

परंपरागत विश्वविद्यालयों से अलग, ट्रांसस्टेडिया यूनिवर्सिटी की ट्रेनिंग पद्धतियाँ अनुभवात्मक शिक्षण से गहराई से जुड़ी हुई हैं। इसका पाठ्यक्रम IBM, NSE Academy, IITRAM और BISAG जैसे अग्रणी संस्थानों के साथ रणनीतिक साझेदारियों के ज़रिए तैयार किया गया है, जिससे छात्र वास्तविक उद्योग प्रोजेक्ट्स पर कार्य करते हैं, डोमेन-विशिष्ट वर्कशॉप्स में भाग लेते हैं और विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त करते हैं। ट्रांसस्टेडिया यूनिवर्सिटी तीन प्रमुख स्कूलों के माध्यम से कार्य करता है — मैनेजमेंट, कंप्यूटर साइंस और इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज, और स्पोर्ट्स स्टडीज़ — और BBA, B.Com, B.Sc. (स्पोर्ट्स मैनेजमेंट), M.Sc. (स्पोर्ट्स एवं इवेंट मैनेजमेंट), BCA और IBM के साथ साझेदारी में B.Sc. (कंप्यूटर साइंस) जैसे डिग्री कोर्स प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त योग एवं वेलनेस और हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट में सर्टिफिकेट प्रोग्राम्स छात्रों को अतिरिक्त पेशेवर विकल्प भी उपलब्ध कराते हैं।

ट्रांसस्टेडिया यूनिवर्सिटी में शिक्षा केवल कक्षा तक सीमित नहीं है। छात्र वास्तविक दुनिया के अनुभव और प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त करते हैं जो उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ने के लिए सक्षम बनाता है।

ट्रांसस्टेडिया यूनिवर्सिटी के फाउंडर और चेयरमैन उदित शेठ ने कहा, “हमारा विज़न एक ऐसा इकोसिस्टम बनाना है जहाँ शिक्षा गहन हो, वातावरण जीवंत हो और परिणाम परिवर्तनकारी हों। यूनिवर्सिटी में छात्र केवल डिग्री नहीं पाते—वे सपने गढ़ते हैं और जीवन भर का उद्देश्य खोजते हैं।” विश्वस्तरीय फैकल्टी, अकादमिक कोलैबोरेशन्स और अत्याधुनिक सुविधाओं जैसे स्मार्ट क्लासरूम्स, इनोवेशन लैब्स, मीडिया स्टूडियो, हाई-परफॉर्मेंस स्पोर्ट्स सुविधाएं और कोलैबोरेटिव वर्कस्पेसेस के साथ ट्रांसस्टेडिया यूनिवर्सिटी एक अनोखा कैंपस अनुभव प्रदान करता है।

74,999 रुपये की अतिरिक्त कीमत पर उपलब्ध कराई जाएगी सीएनजी रेट्रोफिटमेंट किट

अब सीएनजी साथ भी उपलब्ध होगी नई निसान मैग्नाइट

संवाददाता ● गुरुग्राम

निसान मोटर इंडिया की लोकप्रिय एसयूवी नई निसान मैग्नाइट अब सरकार द्वारा प्रमाणित सीएनजी रेट्रोफिटमेंट किट के साथ भी उपलब्ध होगी। सीएनजी किट को देश के नियामकीय मानकों के अनुरूप मोटोजेन (थर्ड पार्टी) द्वारा डेवलप, मैन्यूफैक्चर और क्वालिटी एश्योर किया गया है। मोटोजेन किट के कंपोनेंट्स के लिए वारंटी देगी। यह पहल ग्राहकों को ध्यान में रखकर समाधान देने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दिखाती है। सरकार द्वारा अधिकृत फिटमेंट सेंटर पर किट को लगाया जाएगा। पूरा रेट्रोफिटमेंट मात्र 74,999 रुपये की अतिरिक्त कीमत पर उपलब्ध होगा।

फायदा

पर्यावरण के प्रति सचेत ग्राहकों को ध्यान में रखकर पेश की गई इको फ्रेंडली सीएनजी किट फिटमेंट को चरणबद्ध तरीके से पूरे देश में उपलब्ध कराया जाएगा। पहले चरण में 7 राज्यों दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, केरल और कर्नाटक में निसान के ग्राहक निसान की अधिकृत डीलरशिप से सीएनजी किट इंस्टॉल करा सकेंगे। कुछ समय बाद दूसरे चरण में पूरे देश में इसे विस्तार दिया जाएगा। सीएनजी किट का विकल्प केवल मैनुअल गियरबॉक्स वाली नई निसान मैग्नाइट 1.0 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन के साथ मिलेगा। सीएनजी रेट्रोफिटेड किट से ग्राहकों को बेहतर ईंधन दक्षता का लाभ मिलेगा। सभी सीएनजी किट को सरकार द्वारा प्रमाणित वेंडर्स से लगवाया जाएगा। इसमें सर्टिफाइट होमोलोगेटेड किट मिलेगी, जो सभी वर्तमान नियमनों एवं सुरक्षा मानकों के अनुरूप होगी।

निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री सौरभ वत्स ने कहा, ‘नई निसान मैग्नाइट हम सभी के लिए उल्लेखनीय मॉडल है और इसने हमें भारत में सफलता की कहानी लिखने में मदद की है। ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लक्ष्य के साथ अब निसान के डीलर्स सरकार द्वारा प्रमाणित सीएनजी रेट्रोफिटमेंट किट के रूप में अल्टरनेट फ्यूल ऑप्शन दे सकेंगे। यह सुविधा ग्राहकों को अधिकृत फिटमेंट सेंटर्स के माध्यम से प्रदान की जाएगी। हमें विश्वास है कि इस कदम से लोकप्रिय एसयूवी की वैल्यू बढ़ेगी और यह एसयूवी ज्यादा व्यावहारिक बनेगी।’

नई निसान मैग्नाइट एसयूवी का बोल्ड एवं स्टाइलिश डिजाइन, 20 से ज्यादा फर्स्ट एवं बेस्ट-इन-सेगमेंट फीचर्स और 55 से ज्यादा सेफ्टी फीचर्स इसे कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में पसंदीदा विकल्प बनाते हैं। बोल्ड रोड प्रजेंस, प्रीमियम फीचर्स और बढ़ती वैश्विक पहुंच के साथ नई निसान मैग्नाइट इस समय 65 से ज्यादा देशों में उपलब्ध है। इनमें राइट हैंड ड्राइव और लेफ्ट हैंड ड्राइव, दोनों बाजार शामिल हैं।

देवी अहिल्या की 300 वीं जयंती पर तीन दिन होंगे कार्यक्रम

पीएम 31 को गौरव दिवस पर मेट्रो ट्रेन की सौगात देंगे

संवाददाता ● इंदौर

देश का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर एक नये युग में प्रवेश करने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 31 मई को वर्चुअली इंदौर मेट्रो के सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर यात्री सेवा का शुभारंभ करेंगे। इसी दिनदेवी अहिल्या की 300 वीं जयंती शहरभर में गौरव दिवस के रुप में मनाई जाएगी। बुधवार से शहर में अलग-अलग आयोजन होंगे। शहर में अब अगले तीन दिन उत्सवी माहौल रहेगा।

उत्सव

बता दें कि मेट्रो ट्रेन का लगभग 6 किलोमीटर का हिस्सा येलो लाइन का सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर है, जिसमें पाँच स्टेशन - गांधीनगर स्टेशन, सुपर कॉरिडोर 6 स्टेशन, सुपर कॉरिडोर 5 स्टेशन, सुपर कॉरिडोर 4 स्टेशन और सुपर कॉरिडोर 3 स्टेशन शामिल हैं। यह कॉरिडोर ट्रैफिक और प्रदूषण कम करेगा, साथ ही यात्रियों को आरामदायक सफर प्रदान करेगा। यह सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर न केवल तकनीकी दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है, बल्कि इंदौर की आधुनिकता की ओर बढ़ती दिशा का प्रतीक भी है। कलेक्टर आशीष सिंह ने गांधी नगर मेट्रो स्टेशन का दौरा कर लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारियों का जायज़ा लिया और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया। इंदौर में मेट्रो ट्रेन की शुरुआत इसी स्टेशन से होगी। इस दौरान नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा और मेट्रो के अधिकारीगण भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि इंदौर में कुल 31.32 किलोमीटर लंबी (22.62 किमी एलेवेटेड एवं 8.7 किमी भूमिगत) इस मेट्रो की येलो लाइन पर 28 स्टेशन होंगे, जो शहरी यात्रा को आसान, तेज़, और पर्यावरण के अनुकूल बनाएंगे। मेट्रो के 31.32 किलोमीटर के सम्पूर्ण प्रोजेक्ट की लागत लगभग 7500 करोड़ रूपये है। प्रारंभिक तौर पर 6 किलोमीटर के कॉरिडोर का उद्घाटन होना है जिसकी लागत लगभग 1520 करोड़ रूपये है। यह परियोजना इंदौर को एक आधुनिक, पर्यावरण-अनुकूल शहर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ये हैं मेट्रो की खासियतें

- वातानुकूलित, प्रदूषण रहित आधुनिक कोच।
- एक ट्रेन की यात्री क्षमताः लगभग 980 यात्री।
- सभी स्टेशनों पर लिफ्ट, एस्केलेटर।
- दिव्यांगजनों के लिए ब्रेल लिपि और स्पर्शनीय टाइलें।
- सभी स्टेशन व डिपो पर CCTV कैमरे और अग्निशमन उपकरण।
- यात्रियों की सुरक्षा हेतु आपातकालीन बटन और इंटरकॉम ।
- दृष्टिहीन यात्रियों के लिए ऑडियो अनाउंसमेंट प्रणाली।
- व्हीलचेयर, बैठने की सुविधा, शौचालय, पीने का पानी।
- QR आधारित टिकटिंग, AI ट्रैकिंग, कंट्रोल सेंटर।

गायक जुबिन नौटियाल का शो भी होगा

तीन साल पहले जब गौरव दिवस मनाए जाने का फैसला हुआथा तो जनप्रतिनिधियों की बैठक में तय हुआथा कि देवी अहिल्या की जयंती को गौरव दिवस के रुप में मनाया जाए। तब नेहरु स्टेडियम में एक बड़ा आयोजन नगर निगम ने किया था। इस बार गौरव दिवस पर गायक जुबिन नौटियाल का एक शो भी इंदौर में होने जा रहा है। इसके अलावा अहिल्या बाई के जीवन पर एक नाटिका का मंचन भी इंदौर में होगा। भोपाल में बड़ा सम्मेलन देवी अहिल्या की जयंती पर होने जा रहा है।जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हो रहे है।

शॉट न्यूज

पाउच के पैसे मांगे तो सिर पर डंडे और पत्थर से किया हमला

इंदौर। बाणगंगा थाना क्षेत्र में बदमाशों ने युवक पर डंडे और पत्थर से हमला किया और घर में तोड़फोड़ कर धमकी देकर भाग गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना न्यू भवानी नगर क्षेत्र की है। यहां रहने वाले विशाल पिता बृजमोहन ने पुलिस को बताया कि घर के बाहर उसकी किराने की दुकान है। उसके मुताबिक राहुल सोलंकी और विकास कुशवाहा ने पाउच खरीदा तो मैंने पैसे मांगे तो दोनों ने गालियां दी, गाली देने से मना किया तो राहुल ने सिर पर डंडा मार दिया और विकास ने पत्थर से हमला कर दिया इसी दौरान राहुल के अन्य साथी भोला पिता सुमित नारायण और जीवन पिता दौलत राम राठौर भी आ गए सभी ने मिलकर दुकान और घर में तोड़फोड़ की शोर मचाने पर मेरी मां और भाई बचाने आए तो आरोपियों ने भाई ललित के साथ भी मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर भाग गए।

सुगम्य भारत अभियान का प्रशिक्षण सम्पन्न

इंदौर। सुगम्य भारत अभियान के तहत दिव्यांगजनों को सार्वजनिक भवनों में बाधारहित वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी क्रम में देवी अहिल्याबाई होल्कर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के अधिकारी-कर्मचारियों को एक दिन का प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा आयोजित किया गया। देवी अहिल्या बाई होलकर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट इंदौर के अधिकारियों, कर्मचारियों व एयर लाइन्स स्टॉफ को सुगम्य भारत अभियान के तहत दिव्यांगजनों के लिये बाधारहित वातावरण उपलब्ध कराने के संबंध में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का शुभारंभ एयरपोर्ट डायरेक्टर श्री वी. के. सेठ ने किया। प्रथम सत्र में पवन चौहान, नितिंद्र बड़जात्या, डॉ. डॉली जोशी व अन्तराष्ट्रीय पैरा ओलम्पिक एथलीट पूजा गर्ग ने प्रशिक्षण दिया।

शराब के रुपए ने देने पर बदमाशों ने किया मामा-भांजे पर हमला

इंदौर। राजेंद्र नगर इलाके में शराब पीने के लिए रुपए न देने पर अड़ीबाज बदमाशों ने एक युवक और उसके मामा पर हमला कर दिया। राजेंद्र नगर पुलिस के मुताबिक अड़ीबाजी की वारदात गत रात न्यू बीजलपुर में हुई। पुलिस ने फरियादी आदर्श पिता चंद्रमा पांडे (19) मूल निवासी पांडेसरा सूरत सिटी गुजरात हाल मुकाम सिलीकान सिटी की रिपोर्ट पर आरोपी यश उर्फ आवड़िया, बल्लू, आनंद, प्रिंस और गट्टू निवासी भीम नगर के खिलाफ केस दर्ज किया है। फरियादी ने पुलिस को बताया कि मैं अपने मामा के साथ बाइक पर जा रहा था। तभी आरोपियों ने उसे शिव मंदिर के सामने भीम नगर में देर रात को रोका और आड़ीबाजी कर शराब पीने के लिए रुपए की मांग करने लगे। मेरे मामा ने आरोपियों को रुपए देने से मना किया तो आरोपियों ने गालियां दी।

देर रात जमकर बरसे बादल, तापमान में आई गिरावट, नौतपा में छाई ठंडक

अगले कुछ दिन बादल बारिश ही रहेंगे

संवाददाता ● इंदौर

इंदौर में नौतपा में लगातार बारिश हो रही है। कल रात 12 बजे के बाद कई क्षेत्रों में आंधी बारिश शुरू हुई और आज सुबह तक बारिश का दौर चलता रहा। दो दिन से लगातार बारिश के बाद तापमान में तेजी से कमी आई है। इस अप्रत्याशित मौसम परिवर्तन से शहरभर में कई जगह पेड़ गिरने की भी घटनाएं हुई हैं। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में और तेज बारिश और आंधी-तूफान की चेतावनी जारी की है। प्रदेश के 47 जिलों में अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें इंदौर भी शामिल है। नागरिकों से सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की गई है। आज, बुधवार, 28 मई को इंदौर में अधिकतम तापमान 37°C और न्यूनतम तापमान 25°C रहने की संभावना है। आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, और शाम के समय फिर से बारिश की संभावना है। हवा की गति 20 किमी/घंटा और आर्द्रता 60% तक रह सकती है।

अलर्ट

प्रशासन अलर्ट हुआ – प्रशासन ने जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए नालों की सफाई और पेड़ों की छंटाई के निर्देश दिए हैं। नागरिकों से अपील की गई है कि वे घरों से बाहर निकलते समय सतर्क रहें और बारिश के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून इस साल 15 जून से पहले मध्य प्रदेश में दस्तक दे सकता है, जिससे और अधिक बारिश की संभावना है।

लोकायुक्त ने दर्ज किया जांच प्रकरण

हर्षिका सिंह और दिव्यांक सिंह की होगी जांच

इंदौर। पूर्व निगमायुक्त हर्षिका सिंह और स्मार्ट सिटी सीइओ दिव्यांकसिंह के खिलाफ लोकायुक्त जांच होगी। इस संबंध में जांच प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। पूर्व पार्षद दिलीप कौशल ने शिकायत की थी कि दोनों अधिकारियों ने स्मार्ट सिटी के कार्यों के लिए संविदा पर पदस्थ सिविल इंजीनियर देवेश कोठारी को नगर निगम इंदौर में नियमित भवन अधिकारी के पद पर पदस्थ किया जबकि उनके पास इसकी योग्यता ही नहीं थी। कोठारी ने संविदा सेवक होने की बात छुपाकर भवन अधिकारी के रूप में लगभग 250 नक्शे अपने डिजिटल हस्ताक्षर से स्वीकृत किए। इंजीनियर देवेश कोठारी के खिलाफ भी लोकायुक्त जांच करेगी। शिकायत में कौशल ने कहा था कि नियम विरुद्ध पदस्थ कोठारी ने जोन 13 पर भवन अधिकारी के रूप में निर्माणाधीन सैकड़ों भवन, पूर्व से निर्मित भवनों को अवैध निर्माण होने के सूचना-पत्र देकर बिल्डरों से अवैध धन अर्जित किया। तत्कालीन निगमायुक्त हर्षिका सिंह और स्मार्ट सिटी सीईओ दिव्यांक सिंह को कोठारी के संविदा नियुक्ति पर होने की जानकारी थी। इसके बावजूद इसके उन्होंने कोठारी को भवन अधिकारी के रूप में पदस्थ रखा और उनके खिलाफ कोई जांच नहीं की। कौशल की शिकायत की प्रारंभिक जांच के बाद लोकायुक्त मप्र ने शिकायत के आधार पर प्रकरण पंजीबद्ध किया है। मामले में अब लोकायुक्त विस्तृत जांच करेगी।

IIT इंदौर की रिसर्च में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए

कोविड वायरस से साइलेंट हार्ट अटैक और थायराइड के मामले बढ़े

संवाददाता ● इंदौर

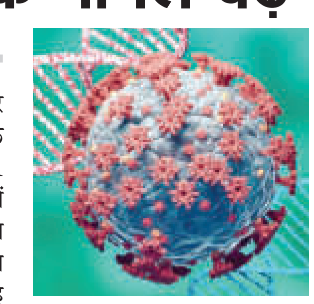

इंदौर आईआईटी के प्रोफेसर ने कोविड–19 को लेकर एक महत्वपूर्ण रिसर्च किया है। ICMR के साथ मिलकर किए गए रिसर्च में उन्होंने बताया कि कोविड के कारण लंबे समय तक लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बनी रहती हैं। यह भी पता चला है कि कोविड के वायरस से लोगों को साइलेंट हार्ट अटैक आ रहे और थायराइड हो रहा है। आईआईटी इंदौर द्वारा शीर्ष भारतीय संस्थानों के सहयोग से किए प्रमुख अध्ययन को प्रतिष्ठित जर्नल ऑफ प्रोटिओम रिसर्च में प्रकाशित किया है। अध्ययन से पता चला है कि कोविड-19 वायरस के विभिन्न वेरिएंट ने मानव शरीर को किस प्रकार प्रभावित किया। वहीं, रोग की गंभीरता के विभिन्न स्तरों का कारण बना। इस रिसर्च का नेतृत्व आईआईटी इंदौर के डॉ. हेमचंद्र झा, केआईएमएस भुवनेश्वर के डॉ. निर्मल कुमार मोहकुद ने भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और आईआईटी इंदौर के सहयोग से किया है।

यह पता लगा रिसर्च में – इस टीम ने SARS-CoV-2 के विभिन्न वेरिएंट ऑफ कंसर्न (VOCs) से जुड़े प्रमुख बायोकेमिकल, हेमटोलॉजिकल, लिपिडोमिक और मेटाबॉलिक परिवर्तनों का अध्ययन किया। विशेष रूप से मूल वाइल्ड टाइप (WT), अल्फा, बीटा, गामा और डेल्टा वेरिएंट। भारत में कोविड-19 की पहली और दूसरी लहर के 3134 रोगियों के डेटा का उपयोग किया गया। रिसर्चकर्ताओं ने बीमारी की गंभीरता से संबंधित 9 महत्वपूर्ण मापदंडों की पहचान करने के लिए मशीन लर्निंग का उपयोग किया। सी-रिएक्टिव प्रोटीन (सीआरपी), डी-डाइमर, फेरिटिन, न्यूट्रोफिल स, व्हाइट ब्लड सेल (डब्ल्यूबीसी) का काउंट, लिम्फोसाइट्स, यूरिया, क्रिएटिन और लैक्टेट डिहाइड्रोजनेज (एलडीएच)। रोगी के डेटा का विश्लेषण करने के अलावा, रिसर्चकर्ताओं ने इन वायरस वेरिएंट से विभिन्न स्पाइक प्रोटीन के संपर्क में आने वाले फेफड़े और कोलन कोशिकाओं का अध्ययन किया। इन सभी में से, डेल्टा वेरिएंट ने शरीर के रासायनिक संतुलन में सबसे महत्वपूर्ण व्यवधान दिखाया। इससे कैटेकोलामाइन और थायरॉइड हार्मोन उत्पादन से संबंधित मार्ग प्रभावित हुए। जिसके परिणामस्वरूप जटिलताएं उत्पन्न हुईं, जिनमें साइलेंट हार्ट फेलुअर और थायरॉइड विकार शामिल हैं। इन निष्कर्षों को मेटा-एनालिसिस द्वारा भी समर्थन मिला, जिसमें यूरिया और अमीनो एसिड मेटाबॉलिज्म में व्यवधानकी ओर इशारा कियागया है। इस बारे में आईआईटी इंदौर के डायरेक्टर प्रोफेसर सुहास एस. जोशी ने कहा, "यह रिसर्च दिखाता है कि आईआईटी इंदौर में अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञ मिलकर उन्नत स्तर पर रिसर्च कर रहे हैं। कोविड-19 के शरीर पर लंबे समय तक पड़ने वाले असर को गहराई से समझना जरूरी है, ताकि बेहतर इलाज और स्वास्थ्य सेवाएं तैयार की जा सकें।

सड़कें चौड़ी, फुटपाथ पर कब्जा इससे ट्रैफिक जाम, अब निगम की कार्रवाई

इंदौर। आयुक्त शिवम वर्मा के निर्देशानुसार यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने हेतु राजस्व अमला, पुलिस एवं नगर पालिक निगम इंदौर द्वारा मालवा मिल चौराहा से जंजीर वाला चौराहा एवं आसपास के क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान एसडीएम, अपर आयुक्त लता अग्रवाल, रिमूवल विभाग के बबलू कल्याणे एवं पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन निगम प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। इस दौरान नगर निगम एवं पुलिस विभाग द्वारा सड़क पर किए गए अवैध अतिक्रमण, 25 टीन शेड आदि को हटाया गया। यातायात पुलिस एवं नगर निगम की रिमूवल टीम द्वारा 8 ट्रक सामान जब्त कर आवश्यक कार्रवाई की गई, जिसमें 4 ट्रक में टू व्हीलर वाहन एवं 4 ट्रक सामग्री जप्त की गई। इसके अलावा, ट्रैफिक पुलिस विभाग द्वारा सभी दुकानदारों को सख्त चेतावनी दी गई कि भविष्य में किसी भी प्रकार का अतिक्रमण पाया जाता है तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गैरेज में अवैध रूप से संचालित गैस गोडाउन पर सिलिंग की कार्रवाई

इंदौर। इंदौर में कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशन में खाद्य विभाग के अमले ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से संचालित गैस गोडाउन पर छापामार कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान गैरेज में संचालित अवैध गैस गोडाउन को सील किया गया और बड़ी मात्रा में संग्रहित गैस सिलेंडर जप्त किये गए। जिला आपूर्ति नियंत्रक एमएल मारू ने बताया कि लगातार शिकायत मिल रही थी कि पीथमपुर रोड विश्वास नगर चौपाटी तहसील महू में गैरेज में अवैध रूप से गैस गोडाउन संचालित है। कल खाद्य विभाग के अमले द्वारा छापामार कार्रवाई की गई। बताया गया कि पीथमपुर से अवैध गैस सिलेंडर लाकर गोदाम ना ले जाकर गैराज में भंडारित करते थे। यह आमजन की सुरक्षा की दृष्टि से खतरनाक था। कार्रवाई के दौरान मौके पर महू की दो गैस एजेंसी भारत गैस सर्विस आईओसी एवं गैस और महू एचपीसीएल के संचालकों द्वारा बनाये गए गैस सिलिंडर के अवैध भंडारण गोडाउन एवं वितरण केंद्र से 2 लोडिंग ऑटो एवं गोडाउन में 14.2 किलोग्राम के घरेलू गैस सिलेंडर संग्रहित कर अवैध कारोबार करना पाए जाने पर दोनों वाहन एवं गोडाउन में पाए गए 14.2 किलोग्राम के 120 नग एचपी गैस के एवं 50 नग आईओसी के साथ ही 4 नग 5 किलोग्राम के गैस सिलेंडर को जप्त किया गया। गोदाम मालिक तेहरीम मेहर के मामा निज़ाम खान द्वारा उक्त गोदाम किराये पर दोनों गैस एजेंसी को देना बताया गया है।

खाद्य विभाग ने बड़ी मात्रा में जब्त किए गैस सिलेंडर

इंदौर (ग्रामीण) जोन के अंतर्गत ब्लैक स्पॉट्स के विश्लेषण एवं परिशोधन के संबंध में बैठक सम्पन्न

ब्लैक स्पॉट्स को मिशन मोड पर लें : संभागायुक्त

संवाददाता ● इंदौर

संभागायुक्त दीपक सिंह की अध्यक्षता में संभागायुक्त कार्यालय में इंदौर (ग्रामीण) जोन के अंतर्गत ब्लैक स्पॉट्स के विश्लेषण एवं परिशोधन के संबंध में कल बैठक आयोजित की गई। बैठक में संभागायुक्त सिंह ने इंदौर (ग्रामीण) अंतर्गत 91 चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स के विश्लेषण एवं परिशोधन की प्रगति रिपोर्ट देखी और उसकी समीक्षा की। बैठक में आईजी अनुराग, डीआईजी निमिष कुमार, संयुक्त आयुक्त विकास डी.एस. रणदा, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण इंदौर के परियोजना निदेशक सुमेश बांझल, लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता सी.एस. खरत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक

बैठक में संभागायुक्त सिंह ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इंदौर (ग्रामीण) जोन में सभी सड़कें फ्लायओवर, पुल-पुलिया आदि अच्छे बन रहे हैं। इससे वाहन चालकों सहित नागरिकों को भी बेहतर सुविधाएं मिल रही है। इन सबके बावजूद इंदौर (ग्रामीण) जोन में सड़क हादसे हो रहे हैं। सिंह ने अधिकारियों से कहा कि वे ऐसी कार्ययोजना बनाएं जिससे ब्लैक स्पॉट्स की संख्या में कमी आएं। कार्ययोजना शार्ट टर्म और लॉग टर्म दोनों प्रकार की हो सकती है। जैसे कहीं पर रोड़ संकेतक, डिवायडर, बेरिकेट आदि भी लगा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग, प्रशासन आदि विभाग समन्वय स्थापित कर कार्य करें और एक निश्चित समयावधि में उसे पूरा करें। इस कार्य को मिशन मोड पर लें और प्राथमिकता के साथ उसे पूरा करें। अधिकारी ब्लैक स्पॉट्स पर जाकर देखें कि वहां पर किस तरह की ट्रैफिक इंजीनियर की आवश्यकता है और उसे किस प्रकार दूर किया जा सकता है। सभी अधिकारी ब्लैक स्पॉट्स के परिशोधन की लगातार मॉनीटरिंग करें और उसकी हर माह समीक्षा भी करें। बैठक में सिंह ने धार और खरगोन जिले के ऐसे ब्लैक स्पॉट्स पर सबसे अधिक चिंता व्यक्त की, जहां सड़क हादसे अधिक हो रहे है। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने भी अपने विचार और सुझाव रखें।

सोशल मीडिया के बाद एआई भी युवा पीढ़ी के लिए खतरा

28 फरवरी 2024 को फ्लोरिडा के एक 14 साल के किशोर सीवेल सेट्जर ने एक लाइफलाइक एआई कैरेक्टर के उकसावे पर आत्महत्या कर ली। यह एआई किरदार कैरेक्टर.एआई द्वारा निर्मित था। यही कंपनी कथित तौर पर प्रो-एनोरेक्सिया एआई चैटबॉट को भी होस्ट करती है, जो युवाओं में अव्यवस्थित खानपान की आदत को बढ़ावा देता है। मतलब साफ है, युवाओं और बच्चों को एआई से बचाने के लिए सख्त कदम उठाने की आवश्यकता अब आन पहुंची है। यह सच है कि एआई में मानव स्वास्थ्य और उसकी गरिमा को प्रोत्साहित करने से लेकर वंचित वर्ग में शिक्षा और स्थायित्व की बेहतरी के लिए जबरदस्त संभावना है। लेकिन इन लाभों की कीमत पर खतरों को अनदेखा नहीं किया जा सकता।

मानवाधिकारों के हर उल्लंघन को नैतिक तौर पर अस्वीकार्य माना जाना चाहिए। यदि कोई एआई चैटबॉट किसी किशोर को आत्महत्या के लिए उकसाता है तो इसकी क्षतिपूर्ति यह कह कर नहीं की जा सकती कि दूसरी तरफ एआई मेडिकल रिसर्च को अत्याधुनिक करने में भी तो भूमिका निभा रहा है। सेट्जर की आत्महत्या ही इस तरह का इकलौता मामला नहीं है। पिछले दिसंबर में भी अमेरिका के टेक्सास में दो परिवारों ने एक एआई कैरेक्टर और उसका वित्तपोषण करने वाले गूगल के खिलाफ मुकदमा किया था कि यह चैटबॉट उनके स्कूल जाने वाले बच्चों का मानसिक शोषण कर रहा है। इसके चलते बच्चे हिंसक होकर खुद को नुकसान भी पहुंचाने लगे हैं। ऐसा ही हम अतीत में भी देख चुके हैं, जब सोशल मीडिया कंपनियों ने अपने लाभ के लिए अपने एडिक्टिव प्लेटफॉर्मों के जरिए किशोरों और बच्चों की पूरी एक पीढ़ी को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। धीरे-धीरे हम इसके प्रति जागरूक हो सके हैं। अब जाकर कई देशों ने इन पर पाबंदियां लगानी शुरू की हैं और खुद युवा अब कड़े नियामकों की मांग कर रहे हैं।

लेकिन हम एआई पर लगाम के लिए ज्यादा समय तक इंतजार नहीं कर सकते। टेक कंपनियों ने हमसे भारी मात्रा में पर्सनल डेटा हासिल कर लिया है। उनकी मदद से कैरेक्टर.एआई जैसे प्लेटफॉर्म ऐसे एल्गोरिदम तैयार कर सकते हैं, जो हमें स्वयं से भी अधिक जानने लगेंगे। इसके दुरुपयोग की गुंजाइश बहुत अधिक है। वस्तुतः एआई अच्छी तरह से जानता है कि हमारी इच्छाओं को उभारने और हमसे कोई खास प्रकार का व्यवहार कराने के लिए कौन-सा बटन दबाना है। कैरेक्टर.एआई पर प्रो-एनोरेक्सिया जैसे चैटबॉट इसके ताजा और क्रूरतम उदाहरण है। कोई कारण नजर नहीं आता कि इनको तत्काल प्रतिबंधित क्यों नहीं किया जाए। जनरेटिव एआई मॉडल हमारी सोच से भी अधिक रफ्तार से विकसित हो रहे हैं और मोटे तौर पर ये गलत दिशा में अधिक जा रहे हैं।

आपके पास इसे खरीदने के अलावा कोई चारा नहीं रहता। और ऐसी खरीदारी कर चुके आपमें से अधिकांश लोग मुझसे सहमत होंगे कि ऐसी गेंदें एक यात्रा में भी नहीं चल पाती। या तो बच्चा इसे खो देता है या फिर गेंद की वो चमकीली लाइटें बंद हो जाती है, जो फर्श पर मारने के बाद बच्चे को आकर्षित करती थीं। ज्यादातर दूसरा वाला कारण अधिक सामान्य है। अब यह बॉल आपके बैग में रखी हुई एसी कार से घर वापसी की यात्रा कर रही है।

एआई के गॉडफादर कहलाने वाले कॉग्निटिव वैज्ञानिक और नोबेल विजेता जैफ्री हिंटन ने लगातार चेताया है कि एआई मानव की विलुप्ति का कारण बन सकता है। उन्होंने कहा था कि मेरी चिंता यह है कि कोई अदृश्य हाथ हमें बचाने नहीं वाला। यह काफी नहीं कि लाभ कमाने वाली कंपनियों पर ही यह छोड़ दिया जाए कि वे एआई को सुरक्षित तरीके से विकसित करेंगी। सरकारी नियमन ही उन्हें सुरक्षा मानकों पर अधिक शोध करने के लिए बाध्य कर सकते हैं। नैतिक मानकों को बनाए रखने में बड़ी टेक कंपनियों की लगातार विफलता के बाद उनसे यह अपेक्षा रखना तो मूर्खता होगी कि वे खुद को नियंत्रित करेंगी। तमाम समस्याओं को जानने के बाद भी गूगल ने 2024 में कैरेक्टर.एआई में 2.7 अरब डॉलर लगाए। चूंकि एआई एक वैश्विक परिदृश्य है, तो इसका मतलब है कि नियमन भी वैश्विक होने चाहिए। ये नियमन संयुक्त राष्ट्र की इंटरनेशनल डेटा बेस्ड सिस्टम एजेंसी (आईडीए) की भांति नई वैश्विक प्रवर्तन प्रणाली पर आधारित हों। यह तय करना मनुष्यों की जिम्मेदारी है कि कौन-सी तकनीकें, इनोवेशन और प्रगति के कौन-से रूप साकार किए जाने चाहिए और कैसे उनका विस्तार हो। यह भी हमारी ही जिम्मेदारी है कि हम एआई को ऐसे तरीके से संचालित करें, जो मानवाधिकारों का सम्मान करे और मानवता व हमारे ग्रह के लिए अधिक सस्टेनेबल भविष्य की सुविधा प्रदान करे।

संत वचन

जिसे उन्होंने खुद सबसे अधिक ईमानदारी से कायम रखा और अपने मंत्रालय में प्रचार करना जारी रखा।ईश्वर हम सभी के साथ रहें और वह हमारे हर प्रयास और प्रयासों को आशीर्वाद दें ताकि हम सभी चीजों में उनकी महिमा करते रहें। इसके बजाय, ईसाइयों के रूप में, यह हमेशा महत्वपूर्ण है कि हम विनम्र रहें और दूसरों की बात सुनने के लिए तैयार रहें, खासकर भगवान की बात सुनने में। एंटिओक के सेंट इग्नाटियस प्रेरितों के शुरूआती उत्तराधिकारियों में से एक थे और प्रेरितों के महान मिशनरी कार्यों के समय में ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गए थे, जो चर्च की स्थापना कर रहे थे और दुनिया भर में कई लोगों को खुशखबरी फैला रहे थे। चर्च के इतिहास और परंपरा के अनुसार एंटिओक के सेंट इग्नाटियस सेंट जॉन द एपोस्टल के शिष्य थे, और इसलिए प्रेरितों के बारे में सीधे जानते थे और उनसे सच्चाई प्राप्त की, जिसे उन्होंने खुद सबसे अधिक ईमानदारी से कायम रखा और अपने मंत्रालय में...

अपने विचारों को देखकर ही आप उनके मालिक बनेंगे

मनुष्य अपने विचारों को अपना मान बैठता है। उसे लगता है कि जो उसके मन में चल रहा है, वह उसकी अपनी स्वतंत्र सोच है। लेकिन यह भ्रम जितना गहरा है, उससे बाहर आना उतना ही मुक्तिदायक। असल में हम में से ज्यादातर लोग अपने विचारों के नहीं, बल्कि विचार हमारे मालिक बने हुए हैं। वे हमें चलाते हैं, दिशा देते हैं, दुःख देते हैं, भ्रमित करते हैं झ और हम उनकी उँगलियों की कठपुतली बनकर रह जाते हैं। अगर हम ईमानदारी से भीतर झाँकें तो पाएँगे कि हम जो सोचते हैं, उसका बड़ा हिस्सा हमने नहीं चुना। वह हमें मिला है झ हमारे बचपन के अनुभवों से, हमारे माता-पिता की भाषा से, शिक्षकों की अपेक्षाओं से, समाज की परछाइयों से, और उन घटनाओं से जो हमारी समझ के परे घटित हुईं। धीरे-धीरे ये सब हमारे भीतर एक संरचना बना देते हैं, एक आंतरिक संसार झ

एडिट.नोट

जिसे हम अपना मान बैठते हैं। पर क्या यह सचमुच ह्लहमाराह्व है? विचार जब तक देखे नहीं जाते, तब तक वे सच की तरह व्यवहार करते हैं। वे आदेश देते हैं झ ह्लतुम कमजोर होह्व, ह्लतुम असफल हो जाओगेह्व, ह्लतुम्हें डरना चाहिएह्व, ह्लतुम्हें गुस्सा करना चाहिएह्व, ह्लतुम्हें अब तक वहाँ पहुँचना चाहिए था जहाँ फलाँ व्यक्ति पहुँच गया हैह्व। और हम, इन विचारों को बिना चुनौती दिए, उनका अनुसरण करते हैं। दुख की बात यह नहीं कि हम ऐसा करते हैं झ दुख की बात यह है कि हमें यह भी नहीं पता होता कि हम कर क्या रहे हैं।

पर जैसे ही हम ठहरते हैं, चुप होते हैं, और अपने भीतर उठने वाली आवाजों को केवल ह्लसुननेह्व का प्रयास करते हैं – कुछ बदलने लगता है। हम देख पाते हैं कि एक विचार आया, उसने एक प्रतिक्रिया पैदा की, और हमने बिना देखे उस पर अमल कर दिया। लेकिन अगर हम उस क्षण झ जहाँ विचार और प्रतिक्रिया के बीच की दरार होती है झ उसे पहचान लें, तो वही दरार हमें गुलामी से स्वतंत्रता की ओर ले जाती है। विचार बुरे नहीं होते। वे आवश्यक हैं झ निर्णय के लिए, सृजन के लिए, योजना बनाने के लिए। लेकिन जब विचार स्वयं ही बिना पूछे चलने लगें, और हम उन्हें देख तक न सकें, तो वही विचार धीरे-धीरे एक भीतर का शोर बन जाते हैं झ जो हमें थकाता है, भ्रमित करता है और कभी चैन से जीने नहीं देता। इसलिए पहला अभ्यास यह नहीं है कि हम अपने विचार बदलें। पहला अभ्यास है झ उन्हें देखना। बिना हस्तक्षेप के, बिना उन्हें अच्छा या बुरा कहे, बस देखना। जैसे किसी नदी को किनारे बैठकर देखा जाता है झ बस बहने देना। जैसे आकाश में बदलते बादलों को देखा जाता है झ बस उठते-गिरते जाना।

इस देखने में धीरे-धीरे एक दूरी बनती है झ विचार और ह्लमैंह्व के बीच। और यहीं से जन्म लेती है वास्तविक स्वतंत्रता। अब विचार आते हैं, पर वे आपको खींच नहीं पाते। वे कहते हैं ह्लतुम कमजोर होह्व, और भीतर से एक मुस्कान आती है झ ह्लयह एक पुरानी स्क्रिप्ट है।ह्व वे कहते हैं ह्लडरोह्व, और आप देखते हैं झ ह्लहाँ, डर उठ रहा है, पर मैं डर नहीं हूँ।ह्व यह कतई आसान नहीं है, लेकिन यह मार्ग स्थायी है। ऐसा असंभव भी नहं है। यह याद रहे बस कि जो व्यक्ति अपने विचारों को देखना सीख जाता है, वह अपने दुःख को समझना शुरू करता है। और जो दुःख को देख लेता है, वह उससे परे उठने लगता है।भारत-पाकिस्तान संघर्ष अब युद्ध के मैदान से निकलकर परस्पर-नैरेटिव, कुशल कूटनीति और जनसंपर्क अभ्यासों के सूक्ष्म क्षेत्र में चला गया है। ऐसे में विजय शाह और रेणु भाटिया जैसे लोग हमारे साथ न्याय नहीं करते। हमें नाप-तौलकर बोलने और भारत का पक्ष बेहतर तरीके से दुनिया के सामने रखने वाले लोगों की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में मुख्यमंत्रियों की एक बैठक में एनडीए सांसदों को चेतावनी दी कि वे इस समय अनावश्यक और भड़काऊ बयान न दें। उम्मीद करें कि यह संदेश जवाबदेहों तक पहुंचेगा। भारत-पाकिस्तान संघर्ष अब युद्ध के मैदान से निकलकर परस्पर-नैरेटिव, कुशल कूटनीति और जनसंपर्क अभ्यासों के सूक्ष्म क्षेत्र में चला गया है।

संजय कुमार -लेखक

बिहार की राजनीति में पाला बदलने की कला नई नहीं है

बिहार में चुनावों से पूर्व वहां की राजनीति में उतार-चढ़ाव देखने को मिलने लगे हैं। होर्डिंग्स, पोस्टर छाए हुए हैं और बड़ी-छोटी रैलियां हो रही हैं। राजनीतिक दलों में भी उथल-पुथल है। लालू यादव द्वारा अपने बेटे तेजप्रताप यादव को छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित करना इसका ताजा उदाहरण है। स्थापित दलों के नेता भी बिहार की राजनीति में नई पारी की तलाश में पाला बदल रहे हैं। यों, भारत में नेताओं का एक दल से दूसरे दल में जाना असामान्य बात नहीं। लेकिन चुनाव के समय पाला बदलने की गति और आवृत्ति बहुत तेज हो जाती है।

अकसर टिकटों के अभिलाषी किसी दूसरी पार्टी से टिकट मिलने पर पाला बदलते हैं। चुनाव में अभी लगभग 5 महीने बाकी हैं, लेकिन नेताओं का दलबदल अभी से देखा जाने लगा है। एक प्रमुख प्रवृत्ति यह दिखाई दे रही है कि विभिन्न दलों के नेता मुख्य रूप से टिकट दिए जाने के वादे के कारण जन स्वराज पार्टी की ओर रुख कर रहे हैं।

राजनीति के बदलते परिदृश्य में पार्टी के प्रति वफादारी चुनावी गणित के आगे-पीछे हो जाती है। पिछले दो दशकों में कई प्रमुख नेताओं ने बार-बार अपने राजनीतिक गठबंधन बदले हैं, जो राज्य में गठबंधन राजनीति की अस्थिर प्रकृति को दशार्ता है। इस प्रक्रिया में इन तमाम नेताओं ने बिहार की सत्ता की गतिशीलता को नया रूप भी दिया है। इसमें नीतीश का कोई तोड़ नहीं। 1990 के दशक में समता पार्टी के साथ राजनीतिक सफर शुरू करने के बाद वे जदयू नेता के रूप में भाजपा के साथ गठबंधन में रहे। इस साझेदारी ने ही उन्हें 2005 में मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचाया। 2013 में उन्होंने भाजपा से नाता तोड़ लिया और अपने पारंपरिक प्रतिद्वंद्वियों राजद और कांग्रेस के साथ 2015 के चुनाव से पहले सफल महागठबंधन बनाया।

2017 में वे फिर एनडीए में लौट आए। 2022 में फिर से महागठबंधन को पुनर्जीवित करते हुए मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाली। 2024 में फिर एनडीए में लौट आए। वे हमेशा उस पक्ष के साथ खड़े रहते दिखाई देते हैं, जो उन्हें अधिक लाभ देता है। उपेंद्र कुशवाहा ने भी बिहार के राजनीतिक गलियारों में उतार-चढ़ाव भरा रास्ता अपनाया है। नीतीश के पूर्व सहयोगी और जदयू के सदस्य कुशवाहा ने 2013 में राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (आरएलएसपी) का गठन किया और 2014 के आम चुनाव के लिए एनडीए के साथ गठबंधन किया। 2018 में पाला बदलकर यूपीए के साथ गठबंधन कर लिया।

2019 के चुनावों में खराब प्रदर्शन के बाद उन्होंने आरएलएसपी को भंग कर दिया और 2021 में इसे जदयू में वापस मिला दिया। 2023 में उन्होंने फिर से अलग होकर राष्ट्रीय लोक मोर्चा नामक नई पार्टी बनाई। कुशवाहा के कई कदम महत्वाकांक्षा और वैचारिक अवसरवाद के मिश्रण को दशार्ते हैं, जो कुशवाहा वोट बैंक को मजबूत करने की इच्छा से प्रेरित हैं। जीतन राम मांझी- जो कभी जदयू के निष्ठावान सदस्य थे- 2014 में तब मुख्यमंत्री बने, जब आम चुनावों में पार्टी के खराब प्रदर्शन के बाद नीतीश ने पद छोड़ दिया था। लेकिन जब 2015 में नीतीश ने वापसी की कोशिश की तो मांझी ने इसका विरोध किया और अंततः हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेकुलर) बनाने के लिए अलग हो गए। शुरूआत में वे एनडीए में शामिल हुए और उसके समर्थन से 2015 का चुनाव लड़ा। बाद में वे 2022 में महागठबंधन में शामिल हो गए। 2023 में फिर से एनडीए में लौट आए।

पप्पू यादव ने 2015 में निष्कासित होने से पहले राजद में करियर शुरू किया था। उन्होंने जन अधिकार पार्टी की शुरूआत की। 2024 में उन्होंने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया, लेकिन टिकट न मिलने पर पार्टी छोड़ दी। पूर्णिया से स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में सफलतापूर्वक चुनाव लड़ा। हाल के चुनावों में वे औपचारिक रूप से किसी प्रमुख गठबंधन का हिस्सा नहीं रहे, लेकिन अलग-अलग समय पर यूपीए और एनडीए दोनों का समर्थन किया है। बिहार में नेताओं के बदलते गठबंधन उस राज्य में गठबंधन-राजनीति की तरल और गतिशील प्रकृति को दशार्ते हैं। नीतीश कुमार, उपेंद्र कुशवाह, जीतन राम मांझी और पप्पू यादव जैसे नेताओं ने लगातार अपनी रणनीतियां बदली हैं।

बिजनेस

किसानों को मिलेगी अब फसलों की ज्यादा कीमत

धान समेत 14 फसलों की एमएसपी में बढ़ोतरी, किसान क्रेडिट कार्ड पर कम ब्याज में मिलेगा लोन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने धान, कपास, सोयाबीन, अरहर समेत खरीफ की 14 फसलों की मिनिमम सपोर्ट प्राइस (टरढ) बढ़ा दी है। केंद्रीय कैबिनेट ने आज यानी 28 मई को यह फैसला लिया। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि धान की नई टरढ 2,369 रुपए तय की गई है, जो पिछली टरढ से 69 रुपए ज्यादा है। कपास की नई टरढ 7,710 रुपए तय की गई है। इसकी एक दूसरी किस्म की नई टरढ 8,110 रुपए कर दी गई है, जो पहले से 589 रुपए ज्यादा है। नई टरढ से सरकार पर 2 लाख 7 हजार करोड़ रुपए का बोझ पड़ेगा। यह पिछले फसल सीजन की तुलना में 7 हजार करोड़ रुपए ज्यादा है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि टरढ फसल की लागत से कम से कम 50% ज्यादा हो, इस बात का ध्यान रखा गया है।

मिनिमम सर्पोट प्राइस यानी न्यूनतम समर्थन मूल्य वो गारंटीड मूल्य है जो किसानों को उनकी फसल पर मिलता है। भले ही बाजार में उस फसल की कीमतें कम हो। इसके पीछे तर्क यह है कि बाजार में फसलों की कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव का असर किसानों पर न पड़े। उन्हें न्यूनतम कीमत मिलती रहे। सरकार हर फसल सीजन से पहले उअउढ यानी कमीशन फॉर एग्रीकल्चर कॉस्ट एंड प्राइजेज की सिफारिश पर टरढ तय करती है। यदि किसी फसल की बम्पर पैदावार हुई है तो उसकी बाजार में कीमतें कम होती हैं, तब टरढ उनके लिए फिक्स एश्योर्ड प्राइस का काम करती है। यह एक तरह से कीमतें गिरने पर किसानों को बचाने वाली बीमा पॉलिसी की तरह काम करती है।7 प्रकार के अनाज (धान, गेहूं, मक्का, बाजरा, ज्वार, रागी और जौ)

प्रकार की दालें (चना, अरहर/तुअर, उड़द, मूंग और मसूर) तिलहन (रेपसीड-सरसों, मूंगफली, सोयाबीन, सूरजमुखी, तिल, कुसुम, निगरसीड) व्यावसायिक फसलें (कपास, गन्ना, खोपरा, कच्चा जूट)

धान (चावल), मक्का, ज्वार, बाजरा, मूंग, मूंगफली, गन्ना, सोयाबीन, उडद, तुअर, कुल्थी, जूट, सन, कपास आदि। खरीफ की फसलें जून जुलाई में बोई जाती हैं। सितंबर-अक्टूबर में इनकी कटाई होती है।

किसान क्रेडिट कार्ड की ब्याज सब्सिडी योजना को आगे बढ़ाया केंद्र सरकार ने 2025-26 के लिए किसान क्रेडिट कार्ड की ब्याज सब्सिडी योजना को जारी रखने का फैसला किया। ब्याज सब्सिडी योजना (टक्रर) को अगले वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जारी रखने को मंजूरी दे दी है। इसके लिए जरूरी फंड भी तय कर लिया गया है। ये योजना किसान क्रेडिट कार्ड (ङउउ) के जरिए किसानों को कम ब्याज पर लोन देने के लिए है। किसान ङउउ से 3 लाख रुपए तक का लोन 7% ब्याज पर ले सकते हैं, जिसमें बैंकों को 1.5% ब्याज सब्सिडी मिलती है।

जो किसान समय पर लोन चुका देते हैं, उन्हें 3% तक का प्रोत्साहन मिलता है, यानी उनका ब्याज सिर्फ 4% रह जाता है। पशुपालन या मछली पालन के लिए लोन पर 2 लाख रुपए तक की सीमा पर ये लाभ मिलता है।

कैबिनेट ने महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में भारतीय रेलवे की दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी। इसके तहत रतलाम-नागदा के बीच तीसरी और चौथी लाइन डाली जाएगी। वहीं वर्धा- बल्हारशाह चौथी लाइन टाली जाएगी। इन परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 3,399 करोड़ रुपए है और इन्हें 2029-30 तक पूरा किया जाएगा।

राज-काज

एफडी से हर महीने कर सकते हैं कमाई

नई दिल्ली। लोग सुरक्षित निवेश के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट में निवेश करते हैं। एफडी की सबसे बड़ी खासियत है कि इसमें एक निश्चित रिटर्न मिलता है और आपका पैसा भी सुरक्षित रहता है। लेकिन ऋऊ में निवेश करने के कई और फायदे भी हैं। ऋऊ कराकर आप अपने लिए हर महीने कमाई का भी इंतजाम कर सकते हैं। आज हम आपको एफडी के ऐसे 7 फायदों के बारे में बता रहे हैं जिन्हें आपका जानना जरूरी है एफडी में आपका पैसा सेफ रहेगा। यहां जमा राशि पर 5 लाख रुपए तक की बीमा सुविधा मिलती है। इसका मतलब यह हुआ है कि अगर किसी कंडीशन में बैंक डिफॉल्ट कर जाए या बंद हो जाए तो आपके 5 लाख रुपए पर सरकार की गारंटी होगी। यानी डिफॉल्ट केस में भी 5 लाख रुपए आपको मिल जाएंगे। ऋऊ का सबसे बड़ा फायदा यह है कि आपको निवेश की शुरूआत में ही बता दिया जाता है कि मैच्योरिटी पर आपको कितना फायदा होगा।

सेंसेक्स 239 अंक गिरकर 81,312 पर बंद हुआ:निफ्टी भी 73 अंक गिरा

एफएमसीजी और ऑटो शेयर्स में सबसे ज्यादा गिरावट रही

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 28 मई को गिरावट रही। सेंसेक्स 239 अंक की गिरावट के साथ 81,312 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी करीब 73 अंक की गिरावट रही, ये 24,752 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 में गिरावट और 11 में तेजी रही।एशियाई बाजारों में जापान के निक्केई में 1.71 अंक (0.0045%) और हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग इंडेक्स में 123 अंक (0.53%) की गिरावट रही।

कोरिया के कोस्पी में 32 अंक (1.25%) की तेजी देखने को मिली। वहीं चीन का शंघाई कंपोजिट 3,339 के स्तर पर फ्लैट बंद हुआ। 27 मई को अमेरिका का डाउ जोन्स 391 अंक (0.92%) गिरकर 42,343 पर बंद हुआ। वहीं, नैस्डेक कंपोजिट 461 अंक (2.47%) और र&ढ 500 118 अंक (2.05%) की बढ़त रही। बेलराइज इंडस्ट्रीज के शेयर में लिस्टिंग के बाद गिरावट बेलराइज इंडस्ट्रीज का शेयर इरए पर 1.13 रुपए (-1.15%) गिरकर 97.37 रुपए पर बंद हुआ। इससे पहले आज इरए पर इसके शेयर की लिस्टिंग 9.4% प्रीमियम के साथ 98.5 रुपए पर हुई। वहीं ठरए पर 11% प्रीमियम के साथ 100 रुपए पर लिस्ट हुआ था। इसका इश्यू प्राइस 90 रुपए था।

कल बाजार में रही थी गिरावट

इससे पहले कल यानी 27 मई को शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली थी। सेंसेक्स 624 अंक गिरकर 81,551 के स्तर पर बंद हुआ था। निफ्टी में भी 174 अंक की गिरावट रही, ये 24,826 के स्तर पर बंद हुआ था।निफ्टी के 50 शेयरों में से 46 में तेजी और 4 में गिरावट रही। ठरए के ऋटउॠइंडेक्स में 1.63%, प्राइवेट बैंक में 1.08%, क्ळ इंडेक्स में 0.95%, मेटल में 0.76% और रियल्टी में 0.64% की तेजी रही। फार्मा और हेल्थ केयर में मामूली गिरावट रही।

सोना 475 बढ़कर 95627 पर पहुंचा:चांदी 1128 चढ़कर 97653 किलो बिक रही, इस साल सोना अब तक 19,465 महंगा हुआ

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 28 मई को बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (क्खअ) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 475 बढ़कर 95,627 पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने की कीमत 95,152 प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, चांदी का भाव 1,128 बढ़कर 97,653 हो गया है। इससे पहले चांदी का भाव 96,525 प्रति किलो था। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,500 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,630 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,350 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,480 रुपए है। कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 89,350 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 97,480 रुपए है। चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,350 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,480 रुपए है। भोपालः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,530 रुपए है।

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 19,465 रुपए बढ़कर 95,627 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 11,636 रुपए बढ़कर 97,653 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

गाजा में हमास द्वारा बंधक बनाए गए इजरायलियों के रिश्तेदारों और समर्थकों ने 600 दिनों की कैद को चिह्नित करने के लिए गुब्बारे छोड़े, तथा इजरायल के तेल अवीव में उनकी रिहाई और युद्ध की समाप्ति की मांग की।

बीजेपी ऑफिस में हुई बैठक, सीएम बोले: बहनें संभालेंगी सम्मेलन की व्यवस्थाएं

सुबह 11 बजे भोपाल पहुंचेंगे पीएम मोदी

संवाददाता ● भोपाल

31 मई को भोपाल के जंबूरी मैदान पर लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर होने वाले महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 11 बजे पहुंचेंगे। पीएम मोदी के कार्यक्रम की व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी देने प्रदेश भाजपा कार्यालय में भोपाल की डेढ़ हजार महिलाओं की बैठक हुई। इस बैठक को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने संबोधित किया।

कार्यक्रम

सीएम बोले : बहनों के सिंदूर उजाड़ने का बदला लिया - मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पहलगाम में आतंकवादियों ने पति को गोली मारने के बाद हमारी बहन से कहा कि मोदी को बता देना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहन के सुहाग का बदला लिया और ऑपरेशन सिंदूर के तहत देश की सेना ने दुश्मन को घर में घुसकर मारा। प्रधानमंत्री मोदी जी सुबह 11 बजे बहनों के सम्मेलन को भोपाल में संबोधित करेंगे। सभी बहनें सुबह जल्दी घर से निकलें और अपने आसपास की बहनों को जंबूरी मैदान के महिला महाशक्ति महासम्मेलन में लेकर पहुंचें।

बहू बनकर आईं और बेटी के रूप में पूजी गईं देवी अहिल्याबाई

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि देवी अहिल्याबाई होल्कर ने एक नहीं अनेक आदर्श स्थापित किए हैं। वह बहू बनकर होल्कर परिवार में आईं और बेटी के रुप में पूजी गईं, ऐसा उन्होंने अपने कार्यों से ही कर सकी हैं। अहिल्या बाई होल्कर ने अपने शासनकाल में सुशासन, देशभर के मंदिरों का जीर्णोद्धार, न्यायप्रिय व्यवस्था और महिलाओं के सशक्तिकरण के कार्यों से आदर्श स्थापित किया है। सीएम ने कहा- देवी अहिल्याबाई होल्कर ने अपने शासनकाल में जाति व्यवस्था से ऊपर उठकर अपनी सेना में भील बटालियन बनाईं। देवी अहिल्याबाई ने विधवा विवाह की प्रथा शुरु कराई और बहनों की जिंदगी संवारने का कार्य किया।

पीएम का भोपाल आना हमारा सौभाग्य

सीएम ने कहा : प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकारें भी देवी अहिल्याबाई द्वारा स्थापित सुशासन, महिला सशक्तिकरण और सांस्कृतिक विरासत को संजोने के कार्यों को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने देवी अहिल्याबाई होल्कर की धर्म, न्यायप्रियता से संबंधित संस्मरण सुनाते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यों से मध्यप्रदेश की बेटी और बहू के रुप में अतुलनीय कार्य किया है।

वीडी बोले-राजधानी में बनेगा नया इतिहास

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 मई को लोकमाता अहिल्याबाई की जयंती पर होने वाले महिला सशक्तीकरण सम्मेलन में भाग लेने भोपाल आ रहे हैं। यह कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा, जिसमें करीब 2.5 लाख बहनें भाग लेंगी। वीडी शर्मा ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने मंदिरों की जीर्णोद्धार, सुशासन, महिला सशक्तीकरण और उन्हें स्वाबलंबी बनाने के लिए स्वरोजगार से जोड़ने जैसे काम किए।

शॉट न्यूज

नई जींस पहनने को लेकर भिड़े दो भाई, फिर एक ने रेत दिया दूसरे का गला

भोपाल। बिना पूछे नई जींस पहनने की बात को लेकर हुए झगड़े के बाद बड़े भाई ने छोटे भाई का गला रेतकर उसकी जान ले ली। आरोपी ने वारदात को उस वक्त अंजाम दिया जब छोटा भाई अपने पिता के बगल में सो रहा था। यह वारदात भोपाल के अरेरा हिल्स इलाके के बिहारी मोहल्ला में दो दिन पहले हुई। मृतक युवक का नाम विवके गिरी था, जिसकी उम्र 19 साल थी। वहीं आरोपी बड़े भाई का नाम ओमकार गिरी है, जो कि 22 साल का है। वारदात के बाद उसे भोपाल रेलवे स्टेशन इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार छोटा भाई एक नई जींस खरीदकर लाया था, जिसे पहनकर बड़ा भाई कहीं चला गया था। इसी बात को लेकर छोटा भाई उस पर भड़क गया और उसे काफी बातें सुना दीं और साथ ही उससे जींस भी उतरवा ली। जिसके कुछ घंटों बाद बड़े भाई ने छोटे भाई की जान ले ली।

सीएम के मुख्य आतिथ्य आज होगा स्व सहायता समूहों का सम्मेलन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में आज बैतूल जिले के सारणी में स्व सहायता समूहों के सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ.यादव जिले के विकास को नई दिशा देने वाले 464.55 करोड़ रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन करेंगे। सारणी में आयोजित स्व सहायता समूहों के सम्मेलन और विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमि पूजन कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय राज्य मंत्री और बैतूल सांसद श्री दुर्गादास उईके और प्रदेश शासन के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री एवं बैतूल जिला प्रभारी मंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जिले की विकास पुस्तिका का विमोचन भी करेंगे। कार्यक्रम में बैतूल जिले द्वारा लखपति दीदी अभियान अंतर्गत किए जा रहे कार्यों पर आधारित लघु वीडियो फिल्म का प्रदर्शन होगा।

साधु से चिकन के लिए मांगा बर्तन, नहीं दिया तो उसी के त्रिशूल से कर दिया वार

छतरपुर। छतरपुर जिले में एक दलित साधु को उसकी ही त्रिशूल से मार-मार कर अधमरा कर दिया गया। घटना में दलित साधु इंद्र बहादुर अहिरवार का कंधे से हाथ टूट गया और उसके कमर पैर और कूल्हे में भी गंभीर चोटें आई है। घटना के बाद सरबई पुलिस ने आरोपी छुट्टन पटेल पर बीएनएस की धारा 296,115(2),315(2) , 3 (1) द, 3(1) ध, 3(2) व के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। इसमे अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति नृशंसता अधिनियम शामिल है। मामला छतरपुर जिले के सरबई थाना क्षेत्र अंतर्गत महोई खुर्द का है जहां रहने वाले नागा साधु इंद्र बहादुर ने पुलिस में शिकायत करते हुए बताया कि वह गांव के ही अंडी तालाब के पास बने आश्रम में रह कर भजन पूजन करते हैं।

पिता के दोस्त की हैवानियत, भोपाल में 17 साल की लड़की से रेप

संवाददाता ● भोपाल

प्रदेश की राजधानी में 17 साल की लड़की के साथ उसके पिता के दोस्त ने ही रेप कर दिया। 11वीं क्लास में पढ़ने वाली पीड़िता के पेट में दर्द के बाद यह मामला सबके सामने आ गया। जिसके बाद उसके माता-पिता उसे अस्पताल ले गए। वहां पता चला कि वह गर्भवती है। आरोपी की पहचान आकाश यादव के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह लड़की के पिता के एक करीबी दोस्त का साला है। दोनों परिवारों के बीच घनिष्ठ संबंध होने के कारण उनका अक्सर एक-दूसरे के घर आना-जाना लगा रहता था,जिससे उनके बीच जान-पहचान और विश्वास का रिश्ता बन गया था।

आरोप

पुलिस ने बताया कि लड़की ने उन्हें बताया कि यादव ने एक बार उसके घर आने के दौरान उसका फोन नंबर मांगा था जो उसने दे दिया। यह जानकारी सुखी सेवनिया पुलिस थाने के प्रभारी रामबाबू चौधरी ने दी है। इसके बाद,उसने उसे नियमित रूप से फोन करना शुरू कर दिया और फोन पर बातचीत करने लगा। चौधरी ने बताया कि समय के साथ आरोपी ने फोन पर बातचीत का इस्तेमाल उससे दोस्ती करने के लिए किया और यह कई हफ्तों तक चलता रहा। लड़की ने आरोप लगाया कि आरोपी फरवरी में उसके घर आया और उसने जानबूझकर उस स्थिति का फायदा उठाया जब वह खुद को कमजोर महसूस कर रही थी। उसने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी ने उसके साथ बलात्कार किया और फिर उसे चुप रहने और घटना का किसी को भी खुलासा न करने की धमकी दी।बाद में,पीड़िता ने अपनी मां को बताया कि उसे मासिक धर्म नहीं आया है और उसके पेट में बहुत ते दर्द हो रहा है। इसके बाद उसके परिवार वाले उसे डॉक्टर के पास ले गए,जहां पता चला कि वह गर्भवती है।

चौधरी ने बताया कि लड़की 25 मई को अपने माता-पिता के साथ पुलिस स्टेशन आई थी। पुलिस द्वारा उसके लिए आयोजित काउंसलिंग सत्र के दौरान उसने ये सारी बातें बताईं। आकाश यादव पारिवारिक संबंध होने के कारण उसके घर नियमित रूप से आता-जाता था। उन्होंने आगे बताया कि यादव के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 64(1) (बलात्कार) और 351(3) (आपराधिक धमकी) और पॉक्सो एक्ट की धारा 3 और 4 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आईसेक्ट बना मध्यप्रदेश क्रिकेट लीग का प्रेजेंटिंग स्पॉन्सर

एमपीएल के माध्यम से युवाओं को मिलेगा हुनर दिखाने का बड़ा मंच

भोपाल। आईसेक्ट समूह के अध्यक्ष श्री संतोष चौबे ने घोषणा की है कि आईसेक्ट को मध्यप्रदेश क्रिकेट लीग का प्रेजेंटिंग स्पॉन्सर बनने पर अत्यंत गर्व और प्रसन्नता है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि क्रिकेट भारत में केवल एक खेल नहीं है, बल्कि एक जुनून है जो समुदायों को जोड़ता है और पीढ़ियों को प्रेरित करता है। इस साझेदारी के माध्यम से हमारा उद्देश्य मध्यप्रदेश के प्रतिभाशाली क्रिकेट खिलाड़ियों को एक मजबूत मंच प्रदान करना है जिससे वे अपने हुनर को दिखा सकें और अपने सपनों को साकार कर सकें। यह प्रयास आईसेक्ट के उस लक्ष्य के साथ पूर्णतः मेल खाता है, जिसके तहत हम व्यक्तियों को सशक्त बनाने और क्षेत्र के समग्र विकास में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आईसेक्ट की ओर से प्रेजेंटिंग स्पॉन्सर का प्रतिनिधित्व करते हुए, आईसेक्ट के कार्यकारी उपाध्यक्ष एवं स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने सभी खिलाड़ियों एवं आयोजकों को आगामी क्रिकेट सत्र के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में क्रिकेट के भविष्य को संवारने और इस लीग की सफलता सुनिश्चित करने के लिए आईसेक्ट पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा। आईसेक्ट का यह कदम राज्य के उभरते खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा।

भोपाल में लाइट जाने से लिफ्ट में फंसा बच्चा

उसे बचाने के लिए दौड़े पिता की हो गई मौत

संवाददाता ● भोपाल

मिसरोद के जाटखेड़ी में स्थित निरूपम रायल पाम कालोनी में मातम पसरा है। यहां एक पिता की अपने आठ वर्षीय बेटे को बचाने की कोशिश में जान चली गई। अचानक बिजली जाने से बेटा इमारत की लिफ्ट में फंस गया था। उसको बचाने की जल्दी में पिता दौड़ते हुए जनरेटर तक पहुंचे। उसे चालू करवाने के बाद वे कुछ ही दूर आए थे कि औंधे मुंह गिर पड़े, फिर उठे ही नहीं। बिजली आई, लिफ्ट का दरवाजा खुला।

बेटा सकुशल बाहर आ गया, तब तक पिता की सांस उखड़ चुकी थी। मिसरोद थाने के एएसआई आमोद शर्मा ने बताया कि निरूपम रायल पाम विला कालोनी के टावर नंबर एक के तीसरी मंजिल के फ्लैट नंबर 307 में ऋषीराज भटनागर (51) पत्नी और दो बेटों के साथ रहते थे।

खाना खाकर नीचे टहल रहे थे

वे बीमा और प्रापर्टी डीलिंग का काम करते थे। पत्नी एक स्कूल में शिक्षिका हैं। बड़े बेटे हर्षित ने इसी साल 12वीं की परीक्षा पास की है। उनका छोटा बेटा देवांश साढ़े आठ वर्ष का है। ऋषीराज सोमवार रात खाना खाकर नीचे आकर टहल रहे थे। उन्होंने देखा कि छोटा बेटा देवांश अभी खेल रहा है तो उन्होंने उसे घर जाने के लिए कहा और टहलने लगे।

अचानक औंधे मुंह गिर गए

देवांश लिफ्ट में गया, उसके तुरंत बाद बिजली चली गई। ऐसे में वह लिफ्ट में फंस गया। यह देखकर ऋषीराज दौड़ते हुए गार्ड रूम के पास पहुंचे और जनरेटर का स्विच ऑन करने के लिए कहा। वहां से मुड़कर वे मुश्किल से करीब 25 से 30 कदम ही चले होंगे कि अचानक औंधे मुंह गिर गए।

इसी दौरान बिजली आ गई। लिफ्ट का दरवाजा खुला और बेटा देवांस सुरक्षित बाहर आ गया। तब तक पिता इस दुनिया से जा चुके थे। उनके गिरने की सूचना पर परिवार और पड़ोसी आनन-फानन में उन्हें लेकर अस्पताल पहुंचे। वहां डॉक्टर ने चेक कर उनको मृत घोषित कर दिया। पुलिस दिल के दौरे से मौत की आशंका जता रही है।

शव आया तो रोई हर आंख

मंगलदार दोपहर जब उनका शव कॉलोनी में पहुंचा तो सभी आंख में आंसू थे। वह कॉलोनी की समिति के सदस्य थे और सभी की मदद के लिए आगे रहते थे। उनके दोनों बेटे शव के साथ ही थे। पिता को देखकर रोते जा रहे थे। यह देखकर सभी द्रवित थे।

लिफ्ट की व्यवस्था पर खड़े हो रहे सवाल

इस घटना ने रहवासी इमारतों में लिफ्ट की व्यवस्था और उसके संधारण पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अचानक बिजली जाने पर लिफ्ट में लोगों के फंसने की घटनाएं बढ़ी हैं। एएसआई आमोद शर्मा ने बताया कि कॉलोनी की समिति ने जनरेटर रखा है और उसका कनेक्शन लिफ्ट से है, लेकिन वह आटोमैटिक नहीं है। जनरेटर को मैन्युअल ढंग से आन करना पड़ता है। दुर्घटना से पहले बिजली करीब तीन मिनट के लिए गई थी।

सैटेलाइट के आधार पर अवैध खनन रोकने की तैयारी

एमपी की सभी खदानें जियो टैग, खनन पर कलेक्टरों को अलर्ट जारी कर रहा खनिज

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश में अवैध खनन पर रोक लगाने अब सैटेलाइट (उपग्रह) बेस्ड खनन निगरानी प्रणाली लागू की जाएगी। खनिज साधन विभाग ने इसके लिए प्रदेश की सभी खदानों को जियो टैग किया था। जिसे पॉयलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया है और एक पोर्टल तैयार किया गया है। इस पोर्टल से सैटेलाइट के माध्यम से अवैध उत्खनन की पहचान कर अलर्ट जारी किए जा रहे हैं। जिसे पोर्टल पर जिला कलेक्टर एवं जिला खनिज अधिकारी द्वारा लॉग इन कर देखा जा सकता है।

अलर्ट

प्रमुख सचिव खनिज उमाकांत उमराव ने सैटेलाइट (उपग्रह) आधारित खनन निगरानी प्रणाली को लागू किए जाने के संबंध में जिला कलेक्टर्स को आदेश जारी कर दिए हैं। इसमें कहा है कि खनिजों के अवैध उत्खनन पर नियंत्रण के लिए सैटेलाइट (उपग्रह) आधारित खनन निगरानी प्रणाली विकसित की गई है। इस व्यवस्था के अंतर्गत प्रदेश की सभी खदानों को जियो टैग किया है। विभाग द्वारा तैयार पोर्टल पर क्लिक कर इसे एक्सेस किया जा सकता है। प्रमुख सचिव ने बताया कि इस पोर्टल से सैटेलाइट के माध्यम से अवैध उत्खनन की पहचान कर अलर्ट जारी किए जा रहे हैं। जिसे पोर्टल पर जिला कलेक्टर एवं जिला खनिज अधिकारी द्वारा लॉग इन कर देखा जा सकता है।

लॉग इन की जानकारी अलग से विभागीय ई-मेल आईडी में दी है। जिला कलेक्टर एवं खनिज अधिकारी को अलर्ट की जानकारी एसएमएस द्वारा हर माह पोर्टल के माध्यम से दी जाएगी। प्रमुख सचिव खनिज द्वारा कलेक्टर्स को सैटेलाइट आधारित खनन निगरानी प्रणाली का जिले में तत्परता से क्रियान्वयन करने तथा अवैध उत्खनन पाये जाने पर परिवहन एवं भंडारण नियम के अंतर्गत कार्यवाही करने के निर्देश जारी कर दिये गये हैं। जिले के अंतर्गत जारी किए गए अलर्ट मैप पर चिह्नित रहेंगे, जिनका अन्य खदानों, जियो लॉजिकल लेयर एवं खसरे की जानकारी के आधार पर परीक्षण किया जा सकता है। जारी किए गए अलर्ट को खनिज अधिकारी द्वारा फील्ड वेरिफिकेशन कर मोबाइल ऐप के माध्यम से वेरिफाई किया जाएगा। फील्ड वेरिफिकेशन के बाद अवैध उत्खनन पाए जाने पर मध्यप्रदेश अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण नियम-2022 के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी।

मासूम बेटी के सामने दिया था घटना को अंजाम

शादी से इनकार करने पर प्रेमी ने महिला को चाकू से गोदा, मौत

संवाददाता ● जबलपुर

प्रेमी को शादी से इनकार करने पर एक महिला को इतनी खौफनाक सजा मिली की उसने सपने में भी नहीं सोचा था। आरोपी प्रेमी ने तीन वर्षीय बेटी के सामने महिला पर चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। महिला को सीरियस हालत में भर्ती कराया गया था। जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर उसकी तेजी से तलाश शुरू कर दी है। बरगी चौकी प्रभारी सरिता पटेल ने बताया कि घटना बल्देवबाग की है। यहां की निवासी कविता गुप्ता अपनी 3 साल की बेटी को लेकर बॉयफ्रेंड नमन विश्वकर्मा के साथ बरगी डैम घूमने के लिए गई थी। यहां घूमने के दौरान नमन ने महिला के समक्ष शादी का प्रस्ताव रखा। शादीशुदा होने के कारण महिला ने उसके प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। शादी के प्रस्ताव से इनकार से युवक नाराज हो गया और दोनों में विवाद हो गया।

इनकार करने की दी खौफनाक सजा

दोनों के बीच जमकर विवाद हुआ। इस दौरान प्रेमी ने मासूम बच्ची के सामने ही महिला पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला शुरु कर दिया। चाकू के प्रहार से महिला को पैर, हाथ, पीठ और कमर में आधा दर्जन से अधिक वार किए। जिससे वह गंभीर रुप से घायल हो गई। महिला के बेहोश होने पर बच्ची जोर-जोर से रोने लगी। उसकी आवाज सुनकर लोग एकत्र हुए तो आरोपी फरार हो गया। पुलिस ने सूचना मिलने पर घायल महिला को 108 एम्बुलेंस से उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था।

इलाज के दौरान गई जान

कविता और नमन दो साल से परिचित थे। महिला की इलाज के दौरान मौत हो गयी। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने फरार आरोपी के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर लिया है। उसकी तलाश के लिए तीन पुलिस टीम का गठन किया गया है।

रणबीर-रणवीर से पहले इस मुस्लिम शख्स के प्यार में पागल थीं दीपिका

आज नहीं देखना चाहता एक्ट्रेस की शक्ल

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण आज के दौर में किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। दीपिका ने हर मौके पर खुद को साबित किया है और आज वो बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसिस में से एक हैं। दीपिका ने कई फिल्मों में आईकॉनिक किरदार निभाकर आज खुद को इस काबिल बना लिया है कि उनको इंडस्ट्री की सबसे कामयाब एक्ट्रेसिस में से एक के तौर पर जाना जाता है। लेकिन दीपिका को जितना उनकी एक्टिंग को लेकर जाना जाता है, उतना ही ट्रोल वो अपने रिलेशनशिप्स को लेकर भी हुई हैं। इन दिनों दीपिका पादुकोण डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा से हुई रार के चलते सुर्खियों में हैं। ये रार यूं तो सीधे तौर पर सामने नहीं आई, लेकिन दीपिका के स्पिरिट से बैकआउट करने और मांगों के सामने आने के बाद मामला बढ़ गया। इसके बाद वांगा ने भी एक ट्विट किया और इस बात ने एक बड़े मसले का रुख कर लिया। दीपिका पहले भी कई बार कंट्रोवर्सीस का शिकार हुईं हैं। आज हम आपको उनके एक ऐसे बॉयफ्रेंड के बारे में बताने जा रहे हैं, जो रणबीर और रणवीर से पहले उनकी लाइफ में आए थे। हम बात कर रहे हैं एक्टर और सुपरमॉडल मुजम्मिल इब्राहिम की। मजम्मिल, से दीपिका की मुलाकात तब हुई थी, जब वो अपने मॉडलिंग के फेज में थीं। दीपिका और मुजम्मिल ने काफी लंबे वक्त तक एक दूसरे को डेट नहीं किया था, लेकिन एक इंटरव्यू में एक्टर ने बताया था कि उन्होंने दीपिका की वजह से एक बहुत बड़ी फिल्म का ऑफर ठुकरा दिया था। मुजम्मिल के साथ अपने रिश्ते पर दीपिका ने कभी बात नहीं की, लेकिन मुजम्मिल ने जरूर कहा कि वो उनके बारे में कोई बात नहीं करना चाहते। वो नहीं चाहते कि वो कभी उनसे मिले और वो बस उन्हें उनकी लाइफ के लिए बेस्ट ऑफ लक कहना चाहते हैं। मुजम्मिल ने कुछ फिल्मों में काम किया। उनको पहला ब्रेक एक्ट्रेस और प्रोड्यूसर पूजा भट्ट ने दिया था। एक्टर धोखा नाम की फिल्म की थी। इसके बाद उन्होंने फिल्म हॉर्न ओके प्लीज में भी काम किया था, लेकिन वो फिल्म कभी रिलीज ही नहीं हुई। आज एक्टर एक बड़े सुपरमॉडल हैं। उस वक्त दीपिका भी संघर्ष कर रही थीं, लेकिन फिर उनके करियर में उनको ओम शांती ओम जैसी सुपर बिग फिल्म मिली और वो रातोंरात स्टार बन गईं। मुजम्मिल एक स्ट्रगलिंग एक्टर ही रहे। मुजम्मिल से पहले दीपिका ने निहार पांड्या और एक्टर उपेन पटेल को भी डेट किया था। इसके अलावा एक्ट्रेस का नाम क्रिकेटर युवराज सिंह, बिजनेस टायकून सिद्धार्थ माल्या से भी जुड़ा था।

RCB की जीत के रोमांच के साथ रोमांस!

विराट कोहली ने किया कुछ ऐसा, ब्लश करते-करते एक्ट्रेस ने भी दी फ्लाइंग किस

मंगलवार की रात क्रिकेट के मैदान पर रोमांच के साथ रोमांस भी देखने को मिला जब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने लखनऊ सुपर जायंट्स को करारी शिकस्त दी। इस जीत के बाद मैदान में जहां जश्न का माहौल था, वहीं स्टैंड्स में बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा और उनके स्टार पति विराट कोहली के बीच एक दिल छू लेने वाला रोमांटिक पल भी कैमरे में कैद हो गया। बॉलीवुड और क्रिकेट के इस सुपर कपल की केमिस्ट्री एक बार फिर फैंस का दिल जीत रही है। मैदान पर विराट का जुनून और स्टैंड में अनुष्का का प्यार, इस मैच में हर एंगल से नया रोमांच पैदा कर रहा था। अब इस खास मोमेंट के वीडियो सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं और तेजी से वायरल हो रहे हैं। इस वीडियो को देखने के बाद हर किसी का बस यही कहना है कि प्यार हो तो अनुष्का और विराट जैसा। 228 रनों के टारगेट का पीछा करते हुए विराट कोहली ने 54 रनों की अहम पारी खेली, लेकिन असली हीरो बने जितेश शर्मा और मयंक अग्रवाल, जिनकी दमदार साझेदारी ने RCB को बड़ी जीत दिलाई। इस जीत के साथ टीम टॉप-2 में पहुंच गई और अब गुरुवार को पंजाब किंग्स से क्वालिफायर 1 में भिड़ेगी। मैच खत्म होते ही अनुष्का शर्मा स्टैंड में बेहद खुश नजर आईं। तालियां बजा कर वो अपने पति विराट कोहली को चियर करती दिखीं।

सनी लियोनी बोलीं, जब भी मैं लो-कट गाउन पहनती हूं मेरे बेटे कहते हैं

बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी के स्टाइलिश गेटअप की हर कोई तारीफ करता है, लेकिन उनके घर पर ऐसा नहीं होता है। जब भी वो थोड़ा ज्यादा मेकअप करती हैं या लो-कट गाउन पहनती हैं तो उनसे सवाल पूछे जाते हैं। ये सवाल उनके पति नहीं बल्कि उनके बेटे पूछते हैं। जी हां, इस बात का खुलासा कुछ सनी लियोनी ने किया है। सनी ने कहती हैं, "मेरे बच्चे आमतौर पर मेरे आउटफिट पर कमेंट नहीं करते हैं, लेकिन जैसी ही मैं लो-कट गाउन पहनती हूं मेरे बेटे फैशन पुलिस बन जाते हैं। कहते हैं, 'मां, मुझे नहीं लगता कि मुझे ये ड्रेस पसंद है... मां आपने ऐसे कपड़े क्यों पहने हैं?' लेकिन जो चीज उन्हें सबसे ज्यादा परेशान करती है, वो है मेरा स्मोकी आई मेकअप और ग्लैमरस लुक। वो पूछते हैं, 'मां, आपने इतना मेकअप क्यों किया है?' मुझे उनका रिएक्शन बहुत क्यूट लगता है क्योंकि उन्होंने मुझे हमेशा मां वाले मोड में देखा है, रेड कार्पेट वाले लुक में नहीं। लेकिन जब भी मैं पूछती हूं, 'क्या मैं सुंदर लग रही हूं?' तो उनका जवाब हमेशा 'हां' होता है।" सनी ने यह भी बताया कि उनकी बेटी निशा बहुत शांत स्वभाव की है। जब सनी से पूछा गया कि तीनों बच्चों में से सबसे ज्यादा स्टाइलिश कौन है तो उन्होंने नोआ का नाम लिया।

अक्षय कुमार ने पहले दो बार रिजेक्ट की थी 'कन्नप्पा'

तेलुगु एक्टर विष्णु मंचू की ड्रीम फिल्म 'कन्नप्पा' 27 जून को रिलीज होगी. फिल्म में अक्षय कुमार महादेव के किरदार में नजर आएंगे. उनका लुक भी जारी किया जा चुका है, जिसके लिए उन्हें खूब तारीफें मिली. विष्णु ने इस फिल्म में अलग-अलग इंडस्ट्रीज के कई बड़े सितारों को लिया है, जैसे टॉलीवुड से प्रभास, मलयालम सिनेमा से मोहनलाल और बॉलीवुड से अक्षय कुमार. प्रभास और मोहनलाल विष्णु के दोस्त हैं, इसलिए उन्होंने फिल्म के लिए तुरंत हां कर दी थी. लेकिन अक्षय कुमार तक पहुंचना विष्णु के लिए थोड़ा मुश्किल था. विष्णु ने बताया कि "अक्षय ने मुझे दो बार मना कर दिया था." विष्णु, 'कन्नप्पा' फिल्म में लीड रोल में हैं और इसे लिखा भी उन्होंने है. विष्णु ने बताया कि जब वो स्क्रिप्ट लिख रहे थे, तभी से उन्होंने अक्षय को भगवान शिव के रोल में सोच रखा था. उन्होंने कहा, "जब मैं कहानी लिख रहा था, तो मुझे बार-बार अक्षय ही उस रोल में दिखता था. उनका शरीर और जटाधारी लुक उन्हें एक दिव्यता देता है." हालांकि, अक्षय को इस रोल के लिए मनाने में उन्हें कई दिन और महीने लग गए. लेकिन अब अक्षय इस फिल्म से अपना तेलुगु डेब्यू करने जा रहे हैं. सक्रीन से बातचीत में विष्णु ने बताया कि, "अक्षय कुमार ने मेरी फिल्म दो बार ठुकरा दी. बाद में जब वो सुधा कोंगरा के साथ सरफिरा की शूटिंग कर रहे थे, तो मैंने सुधा से कहा, 'मैं सच में चाहता हूं कि अक्षय भगवान शिव का रोल करें, प्लीज उनसे एक बार बात करना.' उन्होंने अक्षय से बात की और उन्हें मुझसे फोन पर बात करने के लिए मना लिया।

19 साल पहले आई आमिर काजोल की वो रोमांटिक फिल्म

जिसने सिर्फ तारीफ ही नहीं, पैसा भी खूब कमाया

19 साल पहले बॉलीवुड स्टार आमिर खान की एक ऐसी फिल्म आई थी, जिसने धमाल मचा दिया था। फिल्म के गाने हों या फिर उसकी कमाई हो, सबकुछ कमाल का रहा। फिल्म में आमिर के अलावा काजोल ने भी बेहतरीन अभिनय किया था। बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान ने कई ऐसी फिल्में कीं जिसने लोगों का दिल भी जीता है। ऐसी ही 19 साल पहले एक फिल्म आई थी, जिसके गाने आज भी लोग पसंद करते हैं। फिल्म में आमिर खान का किरदार काफी जबरदस्त था और आज भी उनका वो किरदार याद किया जाता है। आमिर खान की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छी कमाई की थी। जिस फिल्म की हम बात कर रहे हैं उसका नाम 'फना' है और ये एक सुपरहिट फिल्म थी। इसमें आमिर खान और काजोल लीड रोल में थे। फिल्म ने कितनी कमाई की और इसे आप किस ओटीटी पर देख सकते हैं, आइए जानते हैं। 26 मई 2006 को रिलीज हुई फिल्म फना का निर्देशन कुणाल कोहली ने किया था। फिल्म को यश चोपड़ा और आदित्य चोपड़ा ने प्रोड्यूस किया था। फिल्म फना का म्यूजिक जतिन-ललित ने दिया था और इसके गाने सुपरहिट रहे। फिल्म आमिर खान, काजोल, ऋषि कपूर, तब्बू, श्रुति सेठ और अली हाजी जैसे कलाकार नजर आए थे। अगर कमाई की बात करें तो Sacnilk के मुताबिक, फिल्म फना ने वर्ल्डवाइड 102।86 करोड़ का कलेक्शन किया था जबकि इसका बजट 30 करोड़ था। फिल्म का वर्डिक्ट सुपरहिट था और ये फिल्म को आज भी आमिर की बेस्ट फिल्मों में गिनी जाती है। फना में 'चांद सिफारिश', 'मेरे हाथ में', 'देश मेरा रंगीला', 'देखो ना', 'चंदा चमके' जैसे गाने थे जो आज भी सुपरहिट ही हैं। फिल्म में एक कश्मीरी लड़की जूनी अली बेग (काजोल) होती है जो दिल्ली घूमने आती है और वहां के टूरिस्ट गाइड रेहान (आमिर खान) से प्यार करने लगती है। वो जूनी के आंखों की रोशन लाने में मदद करता है और जब उसकी रोशनी वापस आती है उससे पहले आतंकवादी हमले में उसकी डेथ की खबर आ जाती है। कहानी कुछ इस तरह मोड़ लेती है जो आपको फिल्म से बांधने में कामयाब होती है। अगर आप ये फिल्म ओटीटी पर देखना चाहते हैं अमेजॉन प्राइम वीडियो का सबस्क्रिब्शन ले सकते हैं।

न रेखा, न जया अमिताभ के लिए रात को उठ-उठकर रोती थी ये एक्ट्रेस

कौन किसे डेट कर रहा था, किसका रिश्ता अधूरा रह गया... बॉलीवुड की ऐसी खबरें लोग खूब चटकारें लेकर पढ़ते हैं। बॉलीवुड के ऐसे कई नामी एक्टर्स हैं, जिनकी लव लाइफ चर्चा में रही हैं। आज भी उनके किस्से सोशल मीडिया पर खूब पढ़े जाते हैं। इनमें से एक हैं अमिताभ बच्चन, रेखा और जया। लेकिन क्या आप उस एक्ट्रेस को जानते हैं, जो बिग बी के लिए आधी रात को उठकर रोती थी? एक्ट्रेस के लिए आधी रात को उठ-उठकर रोने वाली एक्ट्रेस रेखा नहीं है। न ही यह जया बच्चन हैं। इस एक्ट्रेस की हालत देखकर महेश भट्ट ने अमिताभ बच्चन से मिलने का फैसला कर लिया था। वो अपना अहंकार छोड़ एक्टर के पास पहुंचे थे। दरअसल यह एक्ट्रेस कोई और नहीं, बल्कि परवीन बॉबी हैं। और यह किस्सा साल 1980 में आई फिल्म 'दोस्ताना' का है। IMDB की रिपोर्ट के मुताबिक, इस पिक्चर की शूटिंग के दौरान बेंगलुरु में एक्ट्रेस का इलाज चल रहा था। उन्हें 'सिजोफ्रेनिया' नाम की मानसिक बीमारी थी। जब परवीन बाबी इस फिल्म के शूट में थीं, उस दौरान कई मेडिकल इश्यू का उन्हें सामना करना पड़ रहा था। ऐसे में वो आधी रात में उठकर अमिताभ बच्चन के लिए जोर-जोर से रोने लगती थीं। ऐसे में महेश भट्ट ने अमिताभ बच्चन से मिलने का फैसला कर लिया और फिल्म के सेट पर पहुंच गए। महेश भट्ट ने बिग बी से रिक्वेस्ट की थी कि वो एक्ट्रेस के साथ अच्छे से पेश आए और उनका ध्यान भी रखे। वो काफी परेशानी से गुजर रही हैं। हालांकि, जहां अमिताभ बच्चन ने वादा किया कि वो ख्याल रखेंगे।

तलाक की खबरों के बीच एक्ट्रेस ने दोबारा रचाई शादी 7 महीने की है बेटी, पति बोला- जबरदस्ती

टीवी में ऐसे कई कपल्स हैं, जिन्होंने अपने टूटते रिश्ते को बचाया और दूसरा मौका दिया। तो कुछ ऐसी जोड़ियां हैं, जो अलग होने का फैसला कर चुके हैं। इनमें से एक है बिग बॉस का ऐसा कपल। जिनका बिग बॉस के घर से प्यार शुरू हुआ, फिर शादी। लेकिन बेटी के जन्म के बाद से ही तलाक की खबरें सामने आ रही थीं। दोनों ने अलग-अलग रहना शुरू कर दिया था। बेटी के जन्म के 7 महीने बाद एक्ट्रेस ने दोबारा शादी कर ली है। बिग बॉस के घर में कई जोड़ियां बनी हैं। कुछ अब भी साथ हैं, तो किसी ने बाहर आते ही रिश्ता खत्म कर दिया। ऐसी ही एक जोड़ी है, जिन्हें लेकर लंबे वक्त से तलाक की खबरें सामने आ रही थी। अक्टूबर, 2024 में युविका चौधरी और प्रिंस नरूला के घर एक नन्ही परी आई। जिसके बाद से ही दोनों अलग-अलग रहने लगे। यहां तक कि सोशल मीडिया के जरिए एक दूसरे को खरी-खोटी सुनाई जा रही थी। लेकिन बेटी के जन्म के 7 महीने बाद एक्ट्रेस ने दोबारा शादी कर ली है। टीवी टाउन के फेमस कपल युविका चौधरी ने अपने नए व्लॉग के जरिए दोबारा शादी का खुलासा किया है। तलाक की खबरों के बीच एक्ट्रेस ने पति प्रिंस से ही दूसरी बार शादी की है। दोनों पहली बार साल 2018 में शादी के बंधन में बंधे थे। दरअसल युविका चौधरी का डेली व्लॉगिंग चैनल है। जिसमें वो अपने पूरे दिन का रूटीन फैन्स के साथ शेयर करती हैं। उसी व्लॉग में उन्होंने प्रिंस से दोबारा शादी की बात बताई। 2018 में एक हो चुके कपल ने अब अपनी शादी को लीगली रजिस्टर करवाया है। शादी के 7 साल बाद कोर्ट में अपनी शादी को रजिस्टर करवाया है। जिसकी झलक युविका ने अपने नए व्लॉग में दिखाई है। हालांकि, वीडियो में युविका की भाभी प्रिंस से मस्ती करती दिख रही थीं- वो कहती हैं कि अब जीजू परमानेंट फंस गए हैं। इस दौरान प्रिंस भी फुल मस्ती के मूड में दिखाई दिए।

पीबीकेएस, आरसीबी, जीटी और एमआई ने इससे पहले कब-कब प्लेऑफ में बनाई जगह?

एजेंसी ● नई दिल्ली

ये चारों टीमें इससे पहले भी प्लेऑफ में पहुंच चुकी हैं, लेकिन आरसीबी और पंजाब ने कभी खिताब नहीं जीता है। ये दोनों टीमें अपने पहले खिताब के लिए जोर आजमाइश लगाएंगी। वहीं, गुजरात ने 2022 में और मुंबई ने पांच बार खिताब अपने नाम किया है।आईपीएल 2025 में लीग राउंड के 70 मैच पूरे हो चुके हैं। काफी जद्दोजहद के बाद चार टीमें तय हुईं। 58 मैचों तक प्लेऑफ में किसी का पहुंचना तय नहीं था, लेकिन इसके बाद 18 मई को डबल हेडर ने सारे समीकरण हल कर दिए। अब क्वालिफायर-1 और एलिमिनेटर के मुकाबले तय हो गए हैं। 29 मई को होने वाले पहले क्वालिफायर में अंक तालिका की शीर्ष दो टीमें यानी पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु भिड़ेंगी। वहीं, 30 मई को एलिमिनेटर में गुजरात टाइटंस का सामना मुंबई इंडियंस से होगा। ये चारों टीमें इससे पहले भी प्लेऑफ में पहुंच चुकी हैं, लेकिन आरसीबी और पंजाब ने कभी खिताब नहीं जीता है। ये दोनों टीमें अपने पहले खिताब के लिए जोर आजमाइश लगाएंगी। वहीं, गुजरात ने 2022 में औरमुंबई ने पांच बार खिताब अपने नाम किया है।

पंजाब किंग्स

पंजाब की टीम सिर्फ तीसरी बार अंतिम-चार में जगह बना पाई है। इससे पहले टीम 2008 में और 2014 में प्लेऑफ में पहुंच पाई थी। 2008 में पंजाब की टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर रही थी, वहीं 2014 में टीम ने पहला स्थान हासिल किया था। हालांकि, 2008 में पंजाब को सेमीफाइनल में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, 2014 में फाइनल में टीम को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ शिकस्त झेलनी पड़ी। अब 2025 में एक बार फिर पंजाब की टीम ने शीर्ष पर रहते हुए प्लेऑफ में जगह बनाई है। यह देखना होगा कि इस बार टीम अपने खिताबी सूखे को खत्म कर पाती है या नहीं। श्रेयस अय्यर इससे पहले केकेआर के साथ खिताब जीत चुके हैं। वह लगातार दूसरे साल खिताब जीतने को बेकरार होंगे।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

आरसीबी की टीम 10वीं बार प्लेऑफ में पहुंची है। इससे पहले टीम 2009, 2010, 2011, 2015, 2016, 2020, 2021, 2022 और 2024 में भी प्लेऑफ में पहुंच चुकी है। 2009, 2011 और 2016 में टीम उपविजेता रही थी। 2011 में आरसीबी अंक तालिका में शीर्ष पर और 2016 में दूसरे स्थान पर रही थी। 2009, 2015 और 2021 में टीम तीसरे स्थान पर, जबकि 2010, 2020, 2022 और 2024 में टीम ने चौथे स्थान पर रहते हुए प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया था। अब एक बार फिर टीम दूसरे स्थान पर रही है, ऐसे में वह अपने पिछले रिकॉर्ड में सुधार करना चाहेंगे। फाइनल में पहुंचने के साथ-साथ टीम पहली बार खिताब भी अपने नाम करना चाहेगी।

गुजरात टाइटंस

गुजरात की टीम 2022 में अस्तित्व में आई थी। तब से लेकर अब तक चार सीजन में यह टीम प्लेऑफ में पहुंचने वाली सबसे कंसिस्टेंट टीम रही है। टीम 2022 में अपने पहले ही सीजन में चैंपियन बनी थी। इसके बाद 2023 में भी टीम फाइनल में पहुंची, लेकिन सीएसके के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इन दोनों सीजन गुजरात की टीम ने अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया था। इसके बाद 2024 में गुजरात की टीम लीग राउंड से ही बाहर हो गई। टीम तब आठवें स्थान पर रही थी। इस बार गुजरात की टीम ने तीसरे स्थान पर रहते हुए क्वालिफाई किया है। उनके सामने कठिन रास्ता है, लेकिन लीग स्टेज के दौरान अच्छा खेलने वाली यह टीम अपना दिन होने पर किसी को भी हरा सकती है।

मुंबई इंडियंस

मुंबई की टीम पांच बार की चैंपियन है। उसने 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 में आईपीएल खिताब अपने नाम किया है। इन पांचों सीजन में टीम शीर्ष दो में रही थी। टीम ने अब तक तीसरे या चौथे स्थान पर रहते हुए कभी खिताब अपने नाम नहीं किया है। इस बार टीम इस कथन को भी झूठा साबित करने उतरेगी। मुंबई की टीम कुल मिलाकर 11 बार प्लेआ-ॅफ में पहुंची है। पांच चैंपियन बनने के सीजन के अलावा टीम 2010, 2011, 2012, 2014, 2023 और इस साल प्लेऑफ में पहुंच चुकी है। हालांकि, इन सभी सीजन में टीम तीसरे या चौथे स्थान पर रही और फाइनल तक भी नहीं पहुंच सकी। हार्दिक की कप्तानी में मुंबई की टीम छठी बार चैंपियन बनने उतरेगी।

'विश्वास नहीं हो रहा कि ऐसी पारी खेली है', बेंगलुरु को क्वालिफायर-1 में पहुंचाने के बाद बोले जितेश

एजेंसी ● लखनऊ

प्लेयर ऑफ द मैच जितेश ने 33 गेंद की नाबाद पारी में आठ चौके और छह छक्के लगाए। उन्हें मयंक का अच्छा साथ मिला जिन्होंने 23 गेंद पर नाबाद 41 रन की पारी में पांच चौके जड़े। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 45 गेंद में 107 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई।आईपीएल 2025 में मंगलवार को एक बेहद रोमांचक मुकाबला खेला गया, जिसमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मेजबान लखनऊ सुपर जाएंट्स को छह विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ आरसीबी की टीम ने शीर्ष दो पर रहते हुए लीग राउंड को खत्म किया और अब उसका सामना क्वालिफायर-1 में पंजाब किंग्स से होगा।

आरसीबी की जीत में कार्यवाहक कप्तान जितेश शर्मा की बेखौफ पारी अहम रही, जिन्होंने 33 गेंद में नाबाद 85 रन बनाए और टीम को यादगार जीत दिलाई। मैच के बाद जितेश कहा कि उनके लिए अपनी भावनाओं को शब्दों में बयां करना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि उन्हें खुद यकीन नहीं हो रहा कि ऐसी पारी खेली है।प्लेयर ऑफ द मैच जितेश ने 33 गेंद की नाबाद पारी में आठ चौके और छह छक्के लगाए। उन्हें मयंक का अच्छा साथ मिला जिन्होंने 23 गेंद पर नाबाद 41 रन की पारी में पांच चौके जड़े। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 45 गेंद में 107 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई।जितेश ने मैच के बाद पुरस्क-ार समारोह में कहा, 'मैं विश्वास नहीं कर पा रहा हूं कि मैंने ऐसी पारी खेली है। मैं बस उस पल में रहने का प्रयास कर था, में क्रीज पर टिके रहने की कोशिश कर रहा था। मैं अभी अपनी भावनाओं को शब्दों में बयां नहीं पाऊंगा।'

आरसीबी की पारी के 12वें ओवर में विराट कोहली (54) के आउट होने के बाद जितेश क्रीज पर आए थे। तब आरसीबी का स्कोर चार विकेट पर 123 रन था। जितेश ने मैदान पर आते ही हर गेंदबाज के खिलाफ सहजता से बड़े शॉट लगाए। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा कि उन पर कप्तानी का दबाव था, लेकिन टीम के अनुभवी खिलाड़ियों का पूरा साथ मिला। उन्होंने कहा, 'मैंने विराट भाई के आउट होने के बाद मैच को आखिर तक ले जाने का प्रयास किया और इसमें सफल रहा। मेरे ऊपर काफी दबाव था, लेकिन मैं इसका लुत्फ उठा रहा था। मैं जब विराट भाई, क्रुणाल पांड्या और भुवनेश्वर कुमार को देखता हूं, तो काफी आत्मविश्वास मिलता है।'

महज एक दिन के बाद होने वाले क्वालिफायर एक मुकाबले के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'मैं फिलहाल इस पल (जीत) का लुत्फ उठाने करने का प्रयास करूंगा। साथ ही चाहूंगा कि थकान से अच्छे से उबरू। मेरे गुरू दिनेश कार्तिक ने मुझे कहा था कि अगर मैं मैच को आखिर तक लेकर जाऊंगा तो मेरे में टीम को जीत दिलाने का कौशल है।' जितेश का यह आईपीएल में पहला अर्धशतक भी रहा। नाबाद 85 रन आईपीएल में उनका बेस्ट स्कोर भी बन गया है।लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान ऋषभ पंत की नाबाद 118 रन की पारी की मदद से तीन विकेट पर 227 रन बनाए। पंत ने अपनी पारी में 11 चौके और आठ छक्के लगाए। इसके अलावा मिचेल मार्श ने 37 गेंद में चार चौके और पांच छक्के की मदद से 67 रन बनाए। वहीं, एडेन मार्करम की जगह खेल रहे मैथ्यू ब्रीट्जके ने 12 गेंद में 14 रन बनाए। निकोलस पूरन 10 गेंद में 13 रन बनाकर आउट हुए। आरसीबी ने 18.4 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। जितेश, मयंक और विराट के अलावा फिल सॉल्ट ने 19 गेंद में 30 रन बनाए। जबकि रजत पाटीदार सात गेंद में 14 रन और लियम लिविंगस्टोन खाता खोले बिना आउट हुए। आरसीबी ने अपने आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर चेज किया।

विराट कोहली ने रचा इतिहास, टी20 में 9000 रनों का आंकड़ा छूने वाले पहले बल्लेबाज

एजेंसी ● लखनऊ

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने मंगलवार को लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह टी20 में किसी एक टीम की तरफ से खेलते हुए 9000 रनों का आंकड़ा छूने वाले पहले बल्लेबाज बन गए।

किंग कोहली ने इस मुकाबले में 24 रन बनाते ही टी20 में 9004* रन बना लिए। कोहली ने अपने आईपीएल करियर की शुरूआत 2008 में आरसीबी के साथ की थी, तब से वह इसी टीम का हिस्सा हैं। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में उनका बल्ला जमकर गरजा और वह 9000 रनों का आंकड़ा छूने वाले पहले बल्लेबाज बन गए। लखनऊ के खिलाफ उन्होंने 27 गेंदों में सत्र का आठवां अर्धशतक जड़ा। वह 30 गेंदों में 10 चौके की मदद से 54 रन बनाकर आउट हुए।

कोहली इसके साथ ही आईपीएल में सर्वाधिक अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। लखनऊ के खिलाफ पचासा जड़ते ही वह इस मामले में डेविड वॉर्नर से आगे निकल गए। इससे पहले कोहली और वॉर्नर संयुक्त रूप से शीर्ष पर थे। इन दोनों बल्लेबाजों के नाम आईपीएल में 62 अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड दर्ज था। हालांकि, अब कोहली के नाम 63 अर्धशतक हो गए हैं। रोहित शर्मा तीसरे स्थान पर हैं जिन्होंने आईपीएल में 46 अर्धशतक लगाए हैं। एक सीजन में सबसे ज्यादा अर्धशतकीय पारी खेलने के मामले में यह कोहली का तीसरा सफल सीजन है। उन्होंने 2016 में 11 और 2023 में आठ पचासे लगाए थे।

बृज भूषण सिंह को क्लीन चिट मिलने पर बजरंग पूनिया ने सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली: ओलंपिक पदक विजेता पहलवान बजरंग पूनिया ने भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह को पोक्सो मामले में क्लीन चिट दिए जाने पर सवाल उठाया है। उत्तर प्रदेश के जनपद मुजफ्फरनगर में पहुंचे बजरंग पूनिया ने एक निजी कार्यक्रम में भाग लिया। उद्घाटन कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा, 'जो बच्चे विदेश से एमबीबीएस करना चाहते हैं उसके लिए यहां एक ऑफिस खोला गया है। मैं इन लोगों को बधाई देता हूं और जो लोग एमबीबीएस का सपना देख रहे हैं। वह एमबीबीएस करने के लिए इनसे संपर्क कर सकते हैं और अपना सपना पूरा कर सकते हैं।'

पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह से पोक्सो हटाकर क्लीन चिट देने के सवाल पर बजरंग ने कहा कि पोक्सो अगर लग रहा था तो अब तक गिरफ्तार क्यों नहीं हुआ। दूसरी चीज सरकार ने पहले ही सपोर्ट करके वह हटवा दिया था वह कैसे चलने नहीं दिया था और उसके खिलाफ नाबालिग लड़की ने एक बार अपने बयान दे रखे हैं, तो कोर्ट किस बयान को मानती है।बजरंग पूनिया ने कहा, 'दबाव उन 6 लड़कियों पर भी है जो केस अभी चल रहा है और दबाव पोक्सो वाली लड़की पर भी दिया था तभी वह पीछे हट गई, नहीं तो वह बयान ही नहीं देती। सरकार उसका सपोर्ट कर रही है। हमेशा बच्चों को डरा धमका कर पीछे हटने का काम किया जा रहा है। इस तरीके से हमें नहीं लगता जो आज समय चल रहा है ठीक चल रहा है।'उन्होंने कहा कि सरकार को अपना वोट प्यारा है। जो बच्चों के खिलाफ कुछ कर रहा है उसको बचाना जरूरी है सरकार के लिए।

स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने फ्रेंच टेनिस ओपन के दूसरे दौर के मैच के दौरान हंगरी के फैबियन मारोसजान को गेंद लौटाई

गोल्डबर्ग को पसंद हैं ये हहए स्टार, लिस्ट में 4 बड़े रेसलर्स का नाम शामिल

नई दिल्ली। डब्ल्यूडब्ल्यूई के दिग्गज गोल्डबर्ग ने हाल ही में उन हहए सुपरस्टार्स के बारे में बात की जिनसे वो काफी प्रभावित हैं। गोल्डबर्ग 2022 से हहए रिंग से दूर हैं। हालांकि उन्होंने 2022 के बाद कोई मैच नहीं खेला है, लेकिन वो आज के स्टार्स पर नजर रखते हैं। उन्होंने उन नामों को भी बताया जिनसे वो प्रभावित हैं। गोल्डबर्ग ने अपना आखिरी मैच फरवरी 2022 में रोमन रेंस के खिलाफ सऊदी अरब में एलिमिनेशन चैंबर ढछए में खेला था। अब, गोल्डबर्ग के रिंग में वापसी की अफवाहें तेज हैं। रेसलिंग से दूर रहते हुए, गोल्डबर्ग ने 'द क्लॉ पॉडकास्ट' पर अपनी राय रखी है। वहां उन्होंने रॉस और मार्शल वॉन एरिक से बात करते हुए आज के हहए प्रोडक्ट और अपने पसंदीदा स्टार्स के बारे में बताया। गोल्डबर्ग ने अपने रिटायरमेंट मैच की योजनाओं के बारे में भी बात की। उन्होंने संकेत दिया कि वो अपने बेटे के साथ रिंग में आएंगे।गोल्डबर्ग ने 'द क्लॉ पॉडकास्ट' पर बात करते हुए कहा कि वो आजकल हहए ज्यादा नहीं देखते। उन्होंने कहा, 'मैं ईमानदारी से कहूं तो मैं ज्यादा नहीं देखता। इसलिए मैं इस बारे में ठीक से नहीं बता सकता।

कौन बनेगा पाकिस्तान टीम का नया टेस्ट कोच?

एजेंसी ● कराची

अब पीसीबी के सामने नए टेस्ट कोच को लाने की जिम्मेदारी है। इसी कड़ी में पाकिस्तान के महान गेंदबाज वसीम अकरम ने एक नाम का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि यूनुस खान टेस्ट में पाकिस्तान के मुख्य कोच पद के लिए उपयुक्त हैं।पाकिस्तान क्रिकेट टीम अपने वजूद की तलाश में है। हाल फिलहाल में इस टीम का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो हश्र हुआ है, वह किसी से छिपा नहीं है। एक के बाद एक टूनार्मेंट में पहले दौर से ही बाहर होने के बाद टीम और मैनेजमेंट स्तर पर कई बदलाव हुए। हालांकि, इसका फायदा नहीं मिला। कोच से लेकर खिलाड़ियों को हटाया गया, लेकिन फिर भी टीम के प्रदर्शन में सुधार नहीं है।हाल फिलहाल में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने माइक हेसन को सीमित ओवर क्रिकेट का मुख्य कोच नियुक्त किया था, जो गैरी कर्स्टन के जाने के बाद से खाली था। अब पीसीबी के सामने नए टेस्ट कोच को लाने की जिम्मेदारी है।

इसी कड़ी में पाकिस्तान के महान गेंदबाज वसीम अकरम ने एक नाम का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि यूनुस खान टेस्ट में पाकिस्तान के मुख्य कोच पद के लिए उपयुक्त हैं।

अकरम ने कहा कि यूनुस में लंबे प्रारूप में राष्ट्रीय टीम के प्रदर्शन को बेहतर बनाने की क्षमता है। पाकिस्तान के इस पूर्व कप्तान ने कराची में एक कार्यक्रम में कहा, 'मेरा मानना है कि यूनुस एक बहुत अच्छा विकल्प है। वह मेरी पसंद होगा लेकिन सब कुछ उसकी उपलब्धता और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की सोच पर निर्भर करता है।' यूनुस इससे पहले 2021 में दो साल के लिए पाकिस्तान के बल्लेबाजी कोच नियुक्त हुए थे। उन्होंने हालांकि बोर्ड के कुछ अधिकारियों के साथ मतभेद के कारण छह महीने में ही इस्तीफा दे दिया था। तब तेज गेंदबाज हसन अली के साथ भी उनका विवाद हुआ।

वह इस साल की शुरूआत में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में अफगानिस्तान की टीम से मेंटर के तौर पर जुड़े थे। टेस्ट कोच के पद के लिए मिस्बाह उल हक, अजहर महमूद और सकलैन मुश्ताक के नाम चर्चा में हैं, लेकिन वसीम ने अच्छी युवा टीम बनाने के लिए यूनुस का समर्थन किया। अकरम ने कहा, 'मुझे लगता है कि यूनुस खिलाड़ियों की मानसिकता बदल सकते हैं और टेस्ट टीम में नयापन ला सकते हैं।'

टेस्ट कोच का पद जेसन गिलेस्पी के छोड़ के जाने के बाद से खाली है। गिलेस्पी और कर्स्टन को पीसीबी ने एक साथ कोच नियुक्त किया था, लेकिन पाकिस्तानी बोर्ड और खिलाड़ियों से मतभेद के बाद पहले कर्स्टन और फिर गिलेस्पी ने इस्तीफा दे दिया था। फिर आकिब जावेद काफी समय अंतरिम कोच रहे। गिलेस्पी ने तो हाल फिलहाल में पीसीबी पर उनकी सैलरी अब तक नहीं देने का भी आरोप लगाया था।

एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत की रूपल चौधरी पूजा ने मचाई धूम

एजेंसी ● नई दिल्ली

भारतीय महिलाओं ने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दूसरे दिन बुधवार को शानदार प्रदर्शन किया जब रूपल चौधरी (400 मीटर) और पूजा (1500 मीटर) ने रजत पदक जीते। यूनुस शाह ने पुरुष 1500 मीटर में कांस्य पदक जीतकर भारत के कुल पदक की संख्या को पांच तक पहुंचाया। इसमें मंगलवार को जीता गुलवीर सिंह (10,000 मीटर) का स्वर्ण पदक भी शामिल है। रूपल चौधरी ने महिलाओं के 400 मीटर फाइनल में 52.68 सेकेंड का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया और भारत के लिए दिन का पहला पदक जीता।

इसी स्पर्धा में हमवतन विथ्या रामराज 53.00 सेकेंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। जापान की नानाको मात्सुमोतो (52.17 सेकेंड) ने स्वर्ण जबकि उज्बेकिस्तान की जोनबीबी हुकमोवा (52.79 सेकेंड) ने कांस्य पदक जीता। पूजा ने महिलाओं की 1500 मीटर स्पर्धा में चार मिनट 10.83 सेकेंड के समय के साथ भारत को दूसरा रजत पदक दिलाया। भारत की ही लिली दास चार मिनट 13.81 सेकेंड के समय के साथ चौथे स्थान पर रहते हुए पदक से चूक गईं।चीन की ली चुनहुई ने चार मिनट 10.58 सेकेंड के समय से स्वर्ण पदक जीता जबकि जापान की तोमाका किमुरा ने सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए चार मिनट 11.56 सेकेंड के समय से कांस्य पदक अपने नाम किया। रूपल ने 2022 में विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट बनकर इतिहास रच दिया था। उन्होंने उस समय चार गुणा 400 मीटर रिले में रजत और महिलाओं की 400 मीटर स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था।यूनुस शाह ने पुरुषों की 1500 मीटर स्पर्धा में तीन मिनट 43.03 सेकेंड का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया। जापान के काजुतो लिजावा ने तीन मिनट 42.56 सेकेंड के निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से स्वर्ण पदक जीता जबकि दक्षिण कोरिया के जेयुंग ली (तीन मिनट 42.79 सेकेंड) ने दूसरा स्थान हासिल किया।

दैनिक आदित्य भारत
!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, गुरुवार, 29 मई, 2025
www.adityabharat.com

रूसी हमले के बाद यूक्रेन के डोनेत्स्क के स्टाराया निकोलायेवका इलाके में कई घर तबाह हो गए, लोग सुरक्षित स्थानों पर भागने को मजबूर हो गए। रूसी हमले रूकने के बाद एक महिला अपने तबाह घर को देख अपने आंसू नहीं रोक सकी।

शॉट न्यूज

विमान से कूदी स्काई डाइवर और पैराशूट नहीं खोला, मौत

लंदन। ब्रिटेन से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, जहां एक अनुभवी स्काई डाइवर की 10 हजार फीट से गिरने के बाद मौत हो गई है। आशंका जताई जा रही है कि यह घटना नहीं, बल्कि आत्महत्या है। कहा जा रहा है कि महिला हाल ही में हुए ब्रेकअप से दुखीं थीं, जिसके बाद उन्होंने ऐसा खौफनाक कदम उठाया। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है। मीडिया रिपोट्र्स के अनुसार, 32 साल की जेड डेमेरेल की आसमान से छलांग लगाने के बाद जमीन पर लैंड होते ही मौत हो गई। उन्होंने शॉटन कॉलेरी के रेफर्ड फार्म में अंतिम सांस ली। पुलिस और उनके दोस्तों का मानना है कि जेड ने जानबूझकर पैराशूट नहीं खोलने का फैसला किया था। घटना के एक रात पहले ही उनका प्रेमी बेन गुडफैलो के साथ ब्रेकअप हुआ था। खास बात है कि जेड अनुभवी स्काई डाइवर थीं और 400 से ज्यादा बार छलांग लगा चुकी हैं। रिपोट्र्स के मुताबिक, गुडफैलो भी एक स्काई डाइवर हैं और दोनों करीब 6 महीनों से रिलेशन में थे और साथ रह रहे थे।

स्पेसएक्स के सबसे ताकतवर रॉकेट ने ली 9वीं टेस्टिंग उड़ान

न्यूयॉर्क। एलन मस्क की अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स ने आज तड़के एक विशाल रॉकेट का नौंवी बार परीक्षण किया, जिसे चंद्रमा और मंगल तक इंसान और माल पहुंचाने के लिए तैयार किया गया है। यह उड़ान भारतीय समयानुसार सुबह 5 बजे शुरू हुई और इसे स्टारशिप उड़ान-9 नाम दिया गया। यह रॉकेट दो भागों में था – नीचे का भारी हिस्सा, जिसे सुपर हेवी कहा गया, और ऊपर का भाग जिसे स्टारशिप कहा जाता है। रॉकेट का ऊपरी हिस्सा असफल रहा।जानकारी के अनुसार, भारी रॉकेट वाला निचला हिस्सा सफलतापूर्वक उड़ान भरने के बाद समुद्र में उतर गया। दोनों हिस्सों के अलग होने की प्रक्रिया भी ठीक से पूरी हुई। उड़ान के दौरान कुछ जरूरी प्रयोग भी किए गए, जिससे भविष्य में इसे बार-बार इस्तेमाल किया जा सके। रॉकेट का ऊपरी हिस्सा, जो समुद्र में उतरने वाला था, उड़ान के लगभग 30 मिनट बाद नियंत्रण से बाहर हो गया। यह भाग घूमने लगा और अंत में हिंद महासागर में गिरकर नष्ट हो गया। इसके साथ ले जाए जा रहे नकली उपग्रह भी सही समय पर छोड़े नहीं जा सके।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने रूस को फिर चेताया

पुतिन आग से खेल रहे, मैं न होता तो रूस के साथ बहुत बुरा हो चुका होता : ट्रम्प

एजेंसी ● वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन को चेतावनी दी है। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि पुतिन आग से खेल रहे हैं। ट्रम्प का यह बयान यूक्रेन पर जारी हवाई हमलों के बाद आया। उन्होंने कहा कि अगर वे नहीं होते तो रूस के साथ बहुत बुरा हो चुका होता। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प इस हफ्ते के आखिर तक रूस पर नए प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहे हैं। दरअसल रूस ने 24 मई को यूक्रेन पर 3 साल में सबसे बड़ा हवाई हमला किया था, जिसके बाद से ट्रम्प खुलकर पुतिन की आलोचना कर रहे हैं। रूस ने कीव पर 9 बैलिस्टिक मिसाइलों, 60 क्रूज मिसाइलों और 298 ड्रोन से हमला किया था।

चेतावनी

पूर्व रूसी राष्ट्रपति बोले- सिर्फ तीसरा विश्वयुद्ध बुरी चीज

ट्रम्प के बयान पर रुस के पूर्व राष्ट्रपति और वर्तमान में सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मैं सिर्फ एक ही बुरी चीज के बारे में जानता हूं- तीसरा विश्वयुद्ध। मुझे उम्मीद है कि ट्रम्प इसे समझेंगे।

अमेरिकी सांसदों ने प्रतिबंधों के लिए ट्रम्प पर दबाव बढ़ाया

रिपब्लिकन सीनेटर चक ग्रासले ने पुतिन को खेल खत्म होने का संदेश देने के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की है। वहीं रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम और डेमोक्रेट रिचर्ड ब्लूमेंथल ने उन देशों पर भी प्रतिबंध लगाने की मांग की है जो रुसी तेल, गैस और कच्चे माल की खरीद कर रहे हैं।

रूस ने 24 घंटे में मार गिराए 1475 यूक्रेनी सैनिक; एक और इलाका कब्जे में

कीव। पूर्वी यूक्रेन के डोनबास इलाके में जंग का मंजर और भी तेज हो गया है। रुस ने दावा किया है कि उसकी सेना ने डोनेत्स्क के स्टाराया निकोलायेवका नामक एक अहम बस्ती पर पूरी तरह कब्जा कर लिया है। मस्को का कहना है कि ये ऑपरेशन बीते 24 घंटों में अंजाम दिया गया, जिसमें करीब 1475 यूक्रेनी सैनिक मारे गए। रुसी रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि ये बस्ती मुक्त करा ली गई है। बता दें कि डोनबास दरअसल डोनेत्स्क और लुहांस्क इलाकों को मिलाकर कहे जाने वाला नाम है, जो कि लंबे समय से युद्ध का सबसे बड़ा केंद्र बना हुआ है। रुस का ये भी कहना है कि इस इलाके के अधिकतर निवासी जातीय रुप से रुसी मूल के हैं और उन्हीं की मदद से बने मिलिशिया ग्रुप मस्को के साथ मिलकर यूक्रेन के खिलाफ जंग लड़ रहे हैं। क्रेमलिन ने दो साल पहले इस क्षेत्र को एक स्वतंत्र गणराज्य भी घोषित किया था।

रुस लगातार तेज कर रहा हमला - पिछले कुछ हफ्तों से रुसी सेना ने मिलिशिया गुटों की मदद से यूक्रेनी फौज पर जमीन से लगातार हमले तेज कर दिए हैं। इसके साथ-साथ ड्रोन और मिसाइल अटैक भी लगातार जारी हैं। अब जब स्टाराया निकोलायेवका रुस के कब्जे में आ गया है, तो माना जा रहा है कि डोनेत्स्क का बड़ा हिस्सा मस्को के कंट्रोल में चला गया है। सैन्य विशेषज्ञों के मुताबिक, इस जीत के बाद रुस बाखमुट जैसे बड़े शहर को भी अपने कब्जे में लेने की ओर एक और कदम आगे बढ़ गया है।

न्यूजीलैंड की इमिग्रेशन मिनिस्टर का विवादित बयान

भारतीयों के ईमेल का कभी जवाब नहीं देती, मैं इसे स्पैम मानती हूं : स्टैनफोर्ड

एजेंसी ● वॉशिंगटन

न्यूजीलैंड की संसद में इमिग्रेशन मंत्री एरिका स्टैनफोर्ड ने भारतीयों को लेकर विवादित बयान दिया। जिससे स्टैनफोर्ड को नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है। अपने भाषण में उन्होंने भारतीयों से प्राप्त होने वाले ईमेल को स्पैम के समान करार दिया था। 6 मई को एक संसदीय सत्र के दौरान स्टैनफोर्ड अपने प्राइवेट जीमेल अकाउंट का आधिकारिक बातचीत के लिए इस्तेमाल करने के बारे में सवालों का जवाब दे रही थीं। लेबर पार्टी की सांसद विलो-जीन प्राइम ने स्टैनफोर्ड से पूछा था कि क्या उन्होंने अपने प्राइवेट ईमेल अकाउंट से भेजे या प्राप्त किए गए सभी मंत्रालयी कार्यों से संबंधित ईमेल को आधिकारिक रिकॉर्ड के लिए स्टोर किया है।

जवाब में, स्टैनफोर्ड ने कहा, मैंने आधिकारिक सूचना अधिनियम का पालन किया है और सभी आवश्यक ईमेल को अपने संसदीय ईमेल एड्रेस पर फॉरवर्ड किया है। हालांकि, मुझे बहुत सारे अवांछित ईमेल मिलते हैं, जैसे कि भारतीय लोगों के। इन लोगों से इमिग्रेशन को लेकर सलाह मांगने वाले ईमेल मिलते हैं, जिनका मैं जवाब नहीं देती। मैं उन्हें लगभग स्पैम की तरह मानती हूं। इस बयान ने भारतीय मूल की लेबर सांसद प्रियंका राधाकृष्णन सहित कई लोगों की नाराजगी को भड़का दिया। चेन्नई में जन्मी राधाकृष्णन ने इन टिप्पणियों को लापरवाही भरा और सबसे खराब स्थिति में पक्षपातपूर्ण करार दिया। उन्होंने 'द इंडियन वीकेंडर' से बात करते हुए कहा, इस तरह की टिप्पणियां एक पूरे समुदाय के खिलाफ नकारात्मक रूढ़ियों को मजबूत करती हैं।

किसी विशेष जातीय समूह को इस तरह से निशाना बनाना एक मंत्री के लिए अस्वीकार्य है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर भी अपनी नाराजगी व्यक्त की, जिसमें उन्होंने लिखा, यदि आप भारत से हैं, तो उन्हें ईमेल करने की जहमत न उठाएं, क्योंकि इसे स्वतः स्पैम माना जाता है। राधाकृष्णन ने यह भी बताया कि न्यूजीलैंड और भारत के बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को देखते हुए, इस तरह की टिप्पणियां दोनों देशों के बीच लोगों के आपसी संबंधों को बढ़ाने के लिए सरकार के दावों को कमजोर करती हैं।

ऑस्ट्रेलियाई सांसद का आरोप : शराब पीने का बनाया दबाव

एजेंसी ● सिडनी

ऑस्ट्रेलिया की एक महिला मुस्लिम सांसद ने अपने सहकर्मी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि एक कार्यक्रम के दौरान उन्हें शराब पीने के लिए कहा गया था। साथ ही अनुचित बात कही गई थी। खबर है कि उन्होंने इस संबंध में संसदीय समिति के पास शिकायत दाखिल कर दी है। ऑस्ट्रेलियाई संसद इससे पहले भी यौन उत्पीड़न जैसे मामले सामने आ चुके हैं। सीनेटर फातिमा पेमैन ने आज इस संबंध में शिकायत दर्ज करा दी है। उन्होंने आरोप लगाए हैं कि एक पुरुष सहकर्मी ने उनसे शराब पीने और टेबल पर डांस करने के लिए कहा। सीनेटर का कहना है कि वह शराब का सेवन नहीं करती हैं। साथ ही उन्होंने दावा किया है कि सहकर्मी ने कई ड्रिंक्स लेने के बाद ऐसी अनुचित टिप्पणी की थी।पेमैन का कहना है कि सहकर्मी ने कहा, 'चलो आपको थोड़ी शराब पिलाते हैं और टेबल पर नाचते हुए देखते हैं।' उन्होंने कहा, 'मैंने इस सहकर्मी से कहा कि कोई सीमा होती है। और इसके बाद मैंने औपचारिक शिकायत दर्ज करा दी।' हालांकि, अब तक यह साफ नहीं है कि घटना कब हुई और अनुचित टिप्पणी करने वाला सहकर्मी कौन था।पहले भी हुई ऐसी घटनाएंपूर्व पॉलिटिकल स्टाफर ब्रिटिनी हिगिन्स ने साल 2021 में आरोप लगाए थे कि संसदीय कार्यालय में एक सहकर्मी ने उनका रेप किया था। बाद में हुई समीक्षा में पता चला था कि ऑस्ट्रेलियाई संसद में बहुत ज्यादा मात्रा में शराब पीना, परेशान करना और यौन उत्पीड़न की घटनाएं आम थीं।

सीएम उमर अब्दुल्ला ने साइकिल रैली से दिया संदेश-'कश्मीर सुरक्षित है'

कश्मीर यात्रा पर निकले 60 टूर ऑपरेटर

एजेंसी ● श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद राज्य की पर्यटन से जुड़ी अर्थव्यवस्था को भी बड़ा झटका लगा। कश्मीर, जो अपनी खूबसूरती और मेहमाननवाजी के लिए जाना जाता है, अचानक डर और चिंता का केंद्र बन गया। देशभर में यह सवाल उठने लगा कि क्या अब पर्यटक फिर से घाटी की ओर रुख करेंगे? क्या कश्मीर फिर से पहले जैसा सुरक्षित और शांत बनेगा?

इसी सोच को लेकर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने घाटी में फिर से विश्वास और सुरक्षा का माहौल बनाने के प्रयास तेज किए हैं। इन प्रयासों के तहत देशभर से 60 टूर ऑपरेटरों का एक प्रतिनिधिमंडल 'एकजुटता यात्रा' पर कश्मीर पहुंचा है। महाराष्ट्र के टूरिज्म सेक्टर से जुड़े अभिजीत पाटिल के नेतृत्व में यह दल घाटी पहुंचा और उन्होंने पहलगाम में मुख्यमंत्री से मुलाकात की। पाटिल ने बताया कि यह यात्रा केवल पर्यटन को पुनर्जीवित करने की पहल नहीं, बल्कि कश्मीर के लोगों के साथ खड़े होने का प्रतीक है।

पाटिल ने कहा, "हमने देखा कि हमले के बाद स्थानीय लोगों ने किस तरह इसकी कड़ी निंदा की। इसी भावना से प्रेरित होकर हमने यह यात्रा की। शुरुआत 10-12 टूर ऑपरेटरों से हुई थी, लेकिन आज हम 60 लोग हैं। यह दिखाता है कि पूरे देश के ट्रैवल उद्योग का समर्थन हमारे साथ है।" सीएम उमर अब्दुल्ला ने पहलगाम में आयोजित कैबिनेट बैठक में भाग लेने के बाद साइकिल रैली के जरिए एक और संदेश दिया—'कश्मीर सुरक्षित है।' उन्होंने घाटी के भीतर और बाहर के टूरिज्म स्टेकहोल्डर्स से सीधी बातचीत की और भरोसा दिलाया कि सरकार पर्यटन के लिए हर जरूरी कदम उठाएगी।

याद में बनेगा स्मारक

सरकार ने हमले में मारे गए लोगों की स्मृति में बैसरन मैदान में एक स्मारक बनाने की योजना भी बनाई है। साथ ही, आने वाले महीनों में देशभर में आयोजित होने वाले प्रमुख ट्रैवल फेयर, खासकर टीटीएफ कोलकाता और अहमदाबाद में भाग लेने की रणनीति बनाई जा रही है, ताकि पर्यटन को फिर से गति दी जा सके। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि अमरनाथ यात्रा के शांतिपूर्ण आयोजन के साथ घाटी में फिर से सैलानियों की चहल-पहल लौटेगी। सरकार का मकसद अब सिर्फ पर्यटकों को वापस लाना नहीं है, बल्कि घाटी को फिर से भरोसे और सौहार्द का केंद्र बनाना है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)